Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 53
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार, 01 मार्च, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

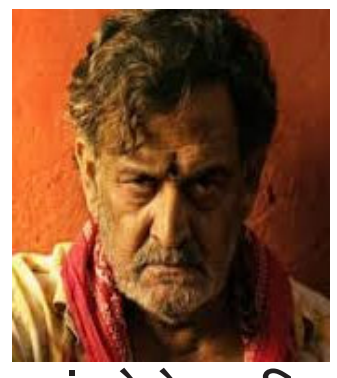

3 मानक परिवहन प्रक्रिया तैयार करने के ...

4 पेट भरा फिर भी कुपोषण, अनाज उत्पादन...

7 साहिबजादा फरहान ने लगाई रिकॉर्ड्स की....

संक्षिप्त न्यूज

आंध्र प्रदेश पटाखा फैक्टरी धमाके में 21 लोगों की मौत, आठ लोगों की हालत गंभीर

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में एक पटाखा फैक्टरी में धमाके के बाद 21 लोगों की मौत होने की खबर है। राहत और बचाव कार्य में लगी पुलिस की टीम ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। राज्य की गृह मंत्री वंगालपुडी अनीता ने बताया कि पटाखा फैक्टरी में धमाके के बाद 21 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। गृह मंत्री के मुताबिक धमाके में गंभीर रूप से घायल कई लोगों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि धमाके में घायल हुए छह लोगों की हालत गंभीर है।

काकीनाडा में धमाके के बाद सरकार क्या बोली?

पटाखा फैक्टरी में धमाके पर राज्य के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दुख जताया। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में नायडू ने लिखा, काकीनाडा जिले के वेतलापलेम गांव में एक पटाखा बनाने वाली यूनिट में हुए धमाके की खबर विचलित करने वाली है। इस हादसे में कई लोगों की जान गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने हादसे के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली है और उन्हें पीड़ितों को हरसंभव मदद मुहैया कराने का निर्देश दिया गया है।

धमाके के समय फैक्टरी में कितने लोग मौजूद थे?

सीएम नायडू ने कहा, राहत और बचाव कार्यों पर सरकार नजर रख रही है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, जब धमाका हुआ उस समय पटाखा बनाने वाली इस फैक्टरी में करीब 20 लोग काम कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने हादसे की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों को घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए हैं।

पश्चिम एशिया में छिड़ा महायुद्ध, खाड़ी क्षेत्र में मिसाइलों की गूंज, भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर भी संकट गहराया!

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में आज घटनाक्रम ने अचानक भीषण रूप ले लिया, जब अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर व्यापक सैन्य अभियान शुरू किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़े पैमाने पर युद्धक कार्रवाई की पुष्टि करते हुए इसे अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम बताया और कहा कि तेहरान को परमाणु हथियार क्षमता हासिल करने से रोकना अनिवार्य है।

हम आपको बता दें कि हमलों की पहली लहर में तेहरान के कई महत्वपूर्ण स्थलों पर विस्फोट हुए। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के परिसर तथा राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के ठिकानों को निशाना बनाए जाने की खबरें सामने आईं। हालांकि कुछ सूत्रों के अनुसार खामेनेई को पहले ही सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया था। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के कई वरिष्ठ कमांडरों के मारे जाने की अपुष्ट खबरें भी आईं।

हमलों के तुरंत बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइल और क्षेत्र में स्थित अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। कतर की राजधानी दोहा और संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। बहरीन में अमेरिकी पांचवें बेड़े के सेवा केंद्र के निकट हमले की सूचना मिली, जिसके बाद जुफैर इलाके को खाली कराया गया। कुवैत ने अपनी सुरक्षा के अधिकार सुरक्षित रखने की बात कही, जबकि जॉर्डन ने दो मिसाइलें मार गिराने का दावा किया। वहीं इजराइल में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। इस समय ईरान की ओर से इजराइल और अमेरिकी बेसों पर मिसाइल और ड्रोन हमले लगातार होने की खबरें सामने आ रही हैं जिनसे यूएई में एक व्यक्ति की मौत की खबर है जबकि अमेरिकी और इजराइली हमलों से ईरान को हुए नुकसान को देखें तो वह काफी व्यापक है।

हम आपको बता दें कि ईरान के दक्षिणी शहर मीनाब में एक विद्यालय पर हमले में 40 से ज्यादा छात्रों की मृत्यु की खबर ने हालात की गंभीरता को और बढ़ा दिया है। तेहरान में आम नागरिकों में दहशत का माहौल है, उत्तर की ओर

पलायन, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें और संचार बंद होने की आशंकाएं सामने आ रही हैं। इसके अलावा, इस संघर्ष का सबसे तात्कालिक प्रभाव वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी पड़ता दिख रहा है। हम आपको बता दें कि खाड़ी क्षेत्र विश्व तेल आपूर्ति का प्रमुख स्रोत है और होर्मुज जलडमरूमध्य इसकी धुरी है। यह संकरा समुद्री मार्ग ईरान और ओमान के बीच स्थित है और वैश्विक तेल तथा गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी से गुजरता है। यदि ईरान ने इसे अवरुद्ध किया या टैंकरों पर हमले बढ़ाए तो पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट गहरा सकता है। पहले ही कच्चे तेल के दाम सात महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुके थे। क्षेत्रीय युद्ध की स्थिति में कीमतें और उछल सकती हैं।

भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। भारत विश्व के बड़े तेल आयातकों में से एक है और अपनी आवश्यकता का अधिकांश हिस्सा आयात करता है। भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल का बड़ा भाग इसी जलडमरूमध्य से होकर आता है। कीमतों में एक डॉलर की भी वृद्धि से भारत के आयात बिल पर अरबों डॉलर का अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। इससे महंगाई, चालू खाते का घाटा और रुपये पर दबाव बढ़ सकता है।

भारत की एक और बड़ी चिंता क्षेत्र में बसे लाखों भारतीय नागरिकों की सुरक्षा है। खाड़ी देशों में बड़ी भारतीय प्रवासी आबादी कार्यरत है। हवाई क्षेत्र बंद होने से उड़ानों पर असर पड़ा है। इंडिगो और एअर इंडिया एक्सप्रेस जैसी विमानन कंपनियों ने पश्चिम एशिया की उड़ानें अस्थायी रूप से स्थगित कर दी हैं। इजराइल का हवाई क्षेत्र बंद होने से दिल्ली तेल अवीव उड़ान को वापस लौटना पड़ा। यदि संघर्ष लंबा खिंचता है तो निकासी अभियान चलाना पड़ सकता है।

सामरिक दृष्टि से यह टकराव अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिकी और इजराइली हमलों का उद्देश्य केवल परमाणु कार्यक्रम को रोकना न होकर शासन परिवर्तन की दिशा में है, तो यह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को पूरी तरह बदल सकता है। ईरान लंबे समय से लेबनान, सीरिया, इराक और यमन में अपने प्रभाव के जरिए शक्ति संतुलन बनाए हुए है। अब यदि वह सीधे अमेरिकी ठिकानों पर हमले कर रहा है तो यह छाया युद्ध से खुली जंग की ओर बढ़ने का संकेत है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जिन देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डे हैं, यदि वे भी प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में शामिल हो जाएं तो क्या यह विश्व युद्ध जैसी स्थिति बन सकती है? खाड़ी के देश अब तक संतुलन साधने की कोशिश करते रहे हैं, परंतु यदि उनकी भूमि पर हमले जारी रहते हैं और वे सामूहिक प्रतिकार करते हैं, तो संघर्ष का दायरा तेजी से फैल सकता है। अमेरिका के साथ रक्षा समझौतों के कारण नाटो सहयोगी भी अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो सकते हैं। वहीं रूस ने हमलों की निंदा करते हुए इसे सशस्त्र आक्रमण बताया है।

ओडिशा में बीजद फंसाएगी पेच, राज्यसभा की दो सीटों पर उम्मीदवारों का एलान; खेला ये दांव

भुवनेश्वर। आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर ओडिशा में सियासी दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बीच बीजू जनता दल (बीजद) अध्यक्ष नवीन पटनायक ने शनिवार को वरिष्ठ पार्टी नेता डॉ. संतृप्त मिश्रा और डॉक्टर दत्तेश्वर होता को आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया। नवीन पटनायक ने पार्टी विधायकों से चर्चा करने के बाद यह एलान किया।

बीजद प्रमुख पटनायक ने कहा, 'अगले महीने होने वाले राज्यसभा चुनावों के लिए हमारी पार्टी ने दो उम्मीदवारों को नामित करने का फैसला किया है। पहले उम्मीदवार डॉ. संतृप्त मिश्रा हैं, जो हमारी पार्टी के वरिष्ठ सदस्य हैं। दूसरे उम्मीदवार ओडिशा के जाने-माने डॉक्टर दत्तेश्वर होता हैं।' एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें दोनों उम्मीदवारों की जीत की उम्मीद है।

भाजपा-कांग्रेस से कर दी नवीन पटनायक ने बड़ी अपील

नवीन पटनायक ने कहा कि डॉ. होता ओडिशा स्वास्थ्य विश्वविद्यालय के पहले कुलपति हैं और उन्होंने कटक के एसएसबी मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य के तौर पर भी काम किया है।

कांग्रेस का पीएम मोदी पर तंजः 'विश्वगुरु की असलियत दुनिया के सामने', ट्रंप की पाकिस्तान की तारीफ पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पाकिस्तान की तारीफ और अफगानिस्तान के साथ उसके युद्ध में समर्थन पर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया है। कांग्रेस ने इसे 'भारतीय हग्लोमेसी' के लिए एक और झटका बताया है और कहा है कि दुनिया खासकर अमेरिका अब 'स्वयंभू विश्वगुरु' की असलियत समझ चुकी है। कांग्रेस के संचार प्रभारी जयराम रमेश ने इस मुद्दे पर शनिवार को अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ट्रंप ने एक बार फिर पाकिस्तान की तारीफ में कसीदे पढ़े हैं, जिनके भड़काऊ बयानों ने पाकिस्तान द्वारा रचे गए आतंकवादी हमलों की पृष्ठभूमि तैयार की थी। यह अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की ओर इशारा था।

जयराम रमेश ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'राष्ट्रपति ट्रंप का अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान के युद्ध में पूर्ण और स्पष्ट समर्थन 'भारतीय हग्लोमेसी' के लिए एक और झटका है।'

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ भारत की आर्थिक कूटनीति बुरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने एकतरफा व्यापार समझौते के सामने घुटने टेक दिए, जिसमें भारत ने अमेरिकी किसानों से आयात की बड़ी प्रतिबद्धताएं कीं।

पीएम मोदी का अजमेर से विपक्ष पर तीखा प्रहार

'देश से नफरत करने वालों की राह पर कांग्रेस'

अजमेरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विपक्षी कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए भारत के विभाजन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं का जिक्र किया और आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक ताकतों का देश को कमजोर करने का इतिहास रहा है। अजमेर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने रक्षा तैयारियों को लेकर भी विपक्ष पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों के दौरान सशस्त्र बलों को संसाधनों की कमी का सामना करना

पड़ा।

मोदी ने कहा कि यह वही कांग्रेस थी जिसने हमारे सैनिकों को हथियारों और वर्दी के लिए भी इंतजार करवाया। सैनिकों के परिवारों को 'एक रैंक एक पेंशन' से वंचित रखा गया। उनके कार्यकाल में विदेशी देशों के साथ रक्षा सौदों में बड़े पैमाने पर घोटाले हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि अखिल भारतीय मुस्लिम लीग 'भारत से नफरत करती थी' और देश के विभाजन के लिए जिम्मेदार थी। तुलना करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस भी उसी राह पर चल रही है।

उन्होंने कांग्रेस पर देश को बदनाम करने और राष्ट्रीय संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि माओवादी भारत की समृद्धि, संविधान और लोकतंत्र से नफरत करते हैं। इसी तरह, कांग्रेस देश को बदनाम करने का मौका ढूंढती है और इसके लिए हर जगह घुसपैठ करती है। देश ऐसे कुकर्मों को कभी माफ नहीं करेगा। 2014 से शुरू की गई पहलों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार के सत्ता में आने से पहले, शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपेक्षा की जाती थी। उन्होंने कहा कि हमने 2014 से पहले का वह दौर देखा जब शौचालयों की कमी के कारण हमारी बहनों और बेटियों को अपमान सहना पड़ता था।

पश्चिम बंगाल में सियासी हलचल

भवानीपुर में 47 हजार से अधिक मतदाता नाम हटे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्वाचन क्षेत्र भवानीपुर की मतदाता सूची से 47,000 से अधिक नाम हटाए जाने के बाद 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस आमने-सामने हैं। जहां भाजपा इसे फर्जी मतदाताओं की छंटनी बता रही है, वहीं तृणमूल कांग्रेस ने इसे चुनाव आयोग और भाजपा का खेल करार दिया है।

शनिवार को विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद मतदाता सूचियों के प्रकाशन ने भवानीपुर में नई राजनीतिक हलचल पैदा कर दी। यहां 47,000 से अधिक नाम हटाए गए हैं और 14,000 से अधिक नामों को 'विचाराधीन' श्रेणी में रखा गया है। बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले इस मुद्दे पर राजनीतिक गहमागहमी जारी है। दक्षिण कोलकाता का भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र, जिसे व्यापक रूप से ममता बनर्जी का गढ़ माना जाता है, में पिछले वर्ष चार नवंबर को विशेष गहन

पुनरीक्षण प्रक्रिया शुरू होने के समय 2,06,295 मतदाता थे।

14,154 मतदाता 'विचाराधीन'

पिछले वर्ष 16 दिसंबर को प्रकाशित मसौदा सूची में भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से 44,786 नाम हटाए जाने की जानकारी दी गई थी। शनिवार को जारी अंतिम सूची में 2,324 और नाम हटाए गए, जिससे हटाए गए नामों की कुल संख्या 47,094 हो गई। यह संख्या 2021 के भवानीपुर उपचुनाव में ममता बनर्जी द्वारा प्राप्त 58,000 से अधिक वोटों के अंतर से लगभग 11,000 कम है।

हटाए गए नामों के अतिरिक्त 14,154 मतदाताओं को 'विचाराधीन' श्रेणी में रखा गया है, जिन पर अंतिम निर्णय दस्तावेज सत्यापन के आधार पर लिया जाएगा। यदि अंततः ये नाम भी सूची से हटा दिए जाते हैं, तो निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं की कुल संख्या में उल्लेखनीय कमी आ सकती है। इस घटनाक्रम ने विधानसभा चुनाव से पहले तीव्र अटकलों को जन्म दे दिया है।

राजनीतिक महत्व

भवानीपुर सीट पर हटाए गए मतों की संख्या राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शोभनदेब चट्टोपाध्याय ने 28,000 से अधिक वोटों के अंतर से यह सीट जीती थी। नंदीग्राम में पराजय के बाद ममता बनर्जी के उपचुनाव लड़ने का मार्ग प्रशस्त करने के लिए चट्टोपाध्याय ने कुछ माह बाद यह सीट खाली कर दी थी। उपचुनाव में ममता बनर्जी ने 58,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी। हालांकि, भाजपा लगातार दावा कर रही है कि 2026 में वह इस सीट पर जीत हासिल करेगी। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने हाल के महीनों में भवानीपुर क्षेत्र का लगातार दौरा किया है और इसे आगामी चुनावों में प्रतिष्ठा की लड़ाई बताया है।

एक तरफ कांग्रेस से गठबंधन पर बात, दूसरी ओर स्टालिन ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

चेन्नई। वरिष्ठ नेता शनिवार को चेन्नई स्थित द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के मुख्यालय अन्ना अरिवलयम पहुंचे, जहां उन्होंने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे की व्यवस्था पर चर्चा की। यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि गठबंधन सहयोगी चुनाव से पहले औपचारिक विचार-विमर्श शुरू कर रहे हैं। इससे पहले शुक्रवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडंकर ने पुष्टि की कि द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत जारी है।

मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डीएमके नेतृत्व से मुलाकात के बाद वे आगे की जानकारी देंगे और लोगों से धैर्य रखने और अटकलों से बचने का आग्रह किया। चोडंकर ने कहा कि हम डीएमके नेतृत्व के साथ गठबंधन के संबंध में बैठक करेंगे। उसके बाद हम आगे की जानकारी दे पाएंगे। कृपया पहले से किसी भी बात पर अटकलें न लगाएं। तमिलनाडु में गठबंधन व्यवस्था को लेकर चल रही राजनीतिक चर्चाओं के बीच यह बयान आया है।

कांग्रेस और डीएमके नेतृत्व की बैठक के बाद सीट बंटवारे पर स्पष्टता आने की उम्मीद है। इस बीच, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कोयंबटूर में पार्टी के पश्चिमी क्षेत्र के बूथ स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि डीएमके भाजपा के सामने कभी नहीं झुकेगी। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ राजनीतिक नहीं बल्कि तमिलनाडु के हितों की रक्षा की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाते हुए स्टालिन ने सवाल उठाया कि चेन्नई को पूरी धनराशि दिए जाने के बावजूद कोयंबटूर के लिए मेट्रो रेल की मंजूरी क्यों नहीं दी गई। उन्होंने भाजपा के साथ गठबंधन करने के लिए एआईएडीएमके की भी आलोचना की। उन्होंने घोषणा की कि हम आपकी धमकियों के गुलाम नहीं हैं। हम नहीं डरेंगे।

इंडिगो और एअर इंडिया ने जारी की ट्रैवल एडवाइजरी, कहा- पश्चिम एशिया की स्थिति पर रख रहे नजर

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस ने शनिवार को यात्रियों के लिए परामर्श (एडवाइजरी) जारी किया। इसमें कहा गया कि वह क्षेत्र में बदले बदलते भू-राजनीतिक माहौल के बीच ईरान और उसे हवाई क्षेत्र से जुड़े अपडेट पर नजर बनाए हुए है। इसके अलावा, एअर इंडिया ने भी ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है।

एडवाइजरी में इंडिगो ने क्या कहा?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में इंडिगो ने कहा, 'हम ईरान और उसके हवाई क्षेत्र से जुड़े अपडेट पर करीब से नजर बनाए हुए हैं। हमारे यात्रियों और चालक दल के सदस्यों (क्रू) की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्थिति बदलने पर हमारी टीमें किसी जरूरी बदलाव को लागू करने के लिए तैयार हैं।'

एयलाइन ने यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह दी। इंडिगो ने कहा, यात्रियों को यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह दी जाती है। किसी भी प्रभाव की स्थिति में अपडेट पंजीकृत संपर्क विवरण के जरिये तुरंत साझा किए जाएंगे। इंडिगो ने आगे कहा कि वह यात्रियों को लगातार जानकारी देता रहेगा और इस अवधि के दौरान पूरी तरह सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

इंडिगो ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, ईरान और पश्चिम एशिया के आसपास हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों में बदलावों को देखते हुए वहां से आने-जाने वाली सभी उड़ानें 0000 बजे तक रद्द कर दी गई हैं। यह निलंबन भारतीय समयानुसार 0000 बजे तक लागू रहेगा। एक सूत्र के मुताबिक, दुबई, जेद्दा, दोहा, अबू धाबी, दम्माम, बहरीन, शारजाह, कुवैत और रस अल-खैमाह से आने-जाने वाली उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं।

एअर इंडिया ने भी जारी की एडवाइजरी

इस बीच, एअर इंडिया ने भी ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। एअरलाइन ने कहा, पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में पैदा हुई स्थिति को देखते हुए एअर इंडिया की पश्चिम एशिया के सभी गंतव्यों के लिए सभी उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं। हम अपने यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपनी उड़ानों के संचालन के लिए सुरक्षा के माहौल का निरंतर आकलन करेंगे और जरूरत के अनुसार परिचालन में बदलाव करेंगे। हमारी टीमें यात्रियों को हरसंभव मदद प्रदान करेंगी।

एयलाइन ने आगे कहा, इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारे 24x7 सहायता केंद्र से ₹911169329333 और ₹91 1169329999 पर संपर्क करें। आपसे अनुरोध है कि हमारी वेबसाइट भी देखें। आपके धैर्य और सहयोग के लिए धन्यवाद।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा

यह ट्रैवल एडवाइजरी ऐसे समय में जारी की गई है, जब पश्चिम एशिया क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, खासकर ईरान और इस्राइल के बीच। इसका असर ईरानी हवाई क्षेत्र से गुजरने वाली उड़ानों और मार्गों पर पड़ सकता है। तेहरान में भारतीय दूतावास ने भी आज एक सुरक्षा एडवाइजरी जारी की। दूतावास ने इस्राइल और अमेरिका की ओर से ईरान पर किए गए संयुक्त सैन्य हमले के बाद भारतीय नागरिकों से अत्यधिक सतर्कता बरतने और अनावश्यक गतिविधियों से बचने का आग्रह किया है।

इस्राइल और अमेरिका का संयुक्त सैन्य अभियान

इस्राइल और अमेरिका ने 'ऑपरेशन रोअरिंग लायन' नाम से सैन्य अभियान चलाकर ईरान पर हमला किया।

मुंबई कोर्ट का बड़ा फैसला

एमएससी बैंक मामले में अजित पवार और पत्नी को राहत

दिव्यांश

महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (एमएससी) के कथित 25,000 करोड़ रुपये के घोटाले में उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार समेत 70 से अधिक लोगों को बड़ी राहत मिली है। मुंबई की विशेष अदालत ने आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है, जिसमें कहा गया है कि ऋण वितरण में कोई दंडनीय अपराध साबित नहीं हुआ। महाराष्ट्र स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक घोटाला मामले में दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को बड़ी राहत मिली है। मुंबई की एक विशेष अदालत ने आर्थिक अपराध शाखा की उस रिपोर्ट को स्वीकार किया है, जिसमें महाराष्ट्र स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक (शिखर बैंक) में ऋण वितरण के दौरान लगभग 25,000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में अजित पवार और उनकी पत्नी को क्लीन चिट दी गई थी। अदालत ने क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी देते हुए कहा कि मामले में कोई भी दंडनीय अपराध सिद्ध नहीं हुआ है।

विशेष अदालत ने आर्थिक अपराध शाखा की 'सी-समरी' रिपोर्ट को स्वीकार किया है। इससे अजित पवार सहित उन सभी राजनीतिक नेताओं को राहत मिली है, जिनका नाम इस मामले में सामने आया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि कथित 25,000 करोड़ रुपये के घोटाले के मामले में कोई दंडनीय अपराध प्रमाणित नहीं हुआ।

कई लोगों को क्लीन चिट

मुंबई की विशेष अदालत ने आर्थिक अपराध शाखा द्वारा 5,000 करोड़ रुपये के महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (एमएससीबी) मामले में दायर क्लोजर रिपोर्ट को भी स्वीकार किया है, जिसके बाद दिवंगत उपमुख्यमंत्री और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार समेत 70 से अधिक लोगों को क्लीन चिट दी गई है।

कोई आपराधिक अपराध नहीं बनता

अदालत ने कहा कि सहकारी चीनी कारखानों से जुड़े कथित ऋण और वसूली अनियमितताओं में कोई आपराधिक अपराध नहीं बनता है। आदेश में आर्थिक अपराध शाखा के इस निष्कर्ष का समर्थन किया गया कि अजित पवार, सुनेत्रा पवार, उनके रिश्तेदारों और अन्य संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध इस संस्था से जुड़े लेन-देन में कोई आपराधिक अपराध सिद्ध नहीं हुआ।

यह मामला वर्ष 2019 में तब शुरू हुआ था, जब बॉम्बे हाई कोर्ट ने एमएससीबी और जिला सहकारी बैंकों के विरुद्ध लगे आरोपों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया था। आरोप था कि इन बैंकों ने चीनी मिलों को ब्याज-मुक्त ऋण प्रदान किए, जिससे बैंक अधिकारियों और राजनेताओं से जुड़े व्यक्तियों के लिए विशेष ऋण खाते बनाए जा सकें। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया था कि बाद में कंपनियों ने अपनी इकाइयों की संपत्तियां अत्यंत कम कीमत पर बेच दीं।

भविष्य के लिए तैयार सोलापुर मंडल - 1x25 केवी से 2x25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम उन्नयन हेतु उन्नत 8-पहिया टॉवर वैगन शामिल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

विद्युत ट्रैक्शन अवसंरचना को और अधिक सुदृढ़ करने तथा परिचालन विश्वसनीयता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मध्य रेल्वे के सोलापुर मंडल ने ट्रैक्शन वितरण (टीआरडी) विभाग के लिए एक नई अत्याधुनिक 8-पहिया टॉवर वैगन को अपने बेड़े में शामिल किया है।

नवीन रूप से शामिल की गई यह टॉवर वैगन विशेष रूप से अधिक स्थिरता, उन्नत सुरक्षा मानकों और बेहतर कार्यक्षमता को ध्यान में रखकर डिज़ाइन की गई है। इसके आधुनिक फीचर्स के कारण रखरखाव दल ओवरहेड इक्विपमेंट (ओई) से संबंधित कार्य अधिक प्रभावी ढंग से कर सकेंगे, जिससे विद्युत ट्रैक्शन प्रणाली की विश्वसनीयता और सुदृढ़ होगी।

विशेष रूप से, यह टॉवर वैगन पारंपरिक 1x25 केवी एसी ट्रैक्शन सिस्टम से उन्नत 2x25 केवी एसी ट्रैक्शन सिस्टम में ओएचई नेटवर्क के अपग्रेडेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। भविष्य में बढ़ते यातायात, बढ़ती विद्युत मांग तथा बेहतर ऊर्जा दक्षता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह तकनीकी परिवर्तन अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो मंडल को अगली पीढ़ी के रेल संचालन के लिए तैयार करेगा।

इस नई 8-पहिया टॉवर वैगन के शामिल होने के साथ सोलापुर मंडल के पास अब कुल 11 टॉवर वैगन उपलब्ध हो गई हैं। इससे विद्युतीकृत मार्गों पर ओएचई निरीक्षण, निवारक रखरखाव तथा पुनर्स्थापन कार्यों की क्षमता में

उल्लेखनीय वृद्धि होगी। टॉवर वैगनों की बढ़ी हुई उपलब्धता के कारण अधिक नियमित निरीक्षण और महत्वपूर्ण ओएचई परिसंपत्तियों का समय पर रखरखाव संभव होगा, जिससे खराबियों में कमी आएगी और रेल सेवाएं अधिक सुरक्षित एवं सुचारू रूप से संचालित होंगी।

इस पहल से समयबद्धता, कार्यक्षमता और सुरक्षा मानकों में सुधार होगा, जिसका सीधा लाभ यात्रियों और मालवाहतूक सेवाओं को मिलेगा। सोलापुर के अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम) ने विद्युत एवं टीआरडी विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में टॉवर वैगन का उद्घाटन किया। नई 8-पहिया टॉवर वैगन का कमिशनिंग भारतीय रेल की आधुनिकीकरण, अवसंरचना उन्नयन और उन्नत रखरखाव प्रणालियों को अपनाने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह सोलापुर मंडल की विद्युतीकरण संरचना को सशक्त बनाने और विश्वसनीय, कुशल तथा भविष्य के लिए तैयार रेल सेवाएं सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

आपातकालीन चिकित्सा सहायता हेतु मीडिया प्रतिनिधियों को दो सुसज्जित एम्बुलेंस समर्पित

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हस्ते लोकार्पण

मुंबई।पत्रकार समाज और राष्ट्र के व्यापक हित के लिए निरंतर संवेदनशील, चुनौतीपूर्ण तथा अनेक बार जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करते हैं। प्राकृतिक आपदाओं, दुर्घटनाओं, दंगों अथवा अन्य संवेदनशील स्थलों पर समाचार संकलन के दौरान तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है। ऐसी परिस्थितियों में मीडिया प्रतिनिधियों के लिए समर्पित एम्बुलेंस सेवा अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगी, ऐसा प्रतिपादन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया।

हालांकि मुख्यमंत्री ने यह आशा भी व्यक्त की कि किसी भी पत्रकार या प्रतिनिधि को इस एम्बुलेंस का उपयोग करने की आवश्यकता न पड़े।

महाराष्ट्र टीवी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के लिए उपलब्ध कराई गई दो पूर्ण सुसज्जित एम्बुलेंस का लोकार्पण मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हस्ते विधान भवन परिसर में किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, रोजगार गारंटी योजना मंत्री भरत गोगावले, आरबीजी फाउंडेशन की अध्यक्ष मधुरा गेथे तथा एसोसिएशन के अध्यक्ष उदय जाधव उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि ये एम्बुलेंस केवल पत्रकारों के लिए ही नहीं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर अन्य मरीजों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होंगी। इससे सामाजिक दायित्व की भावना सुदृढ़ होगी। समाज के स्वास्थ्य क्षेत्र में उठाया गया यह कदम निश्चित रूप से सराहनीय है।

ये एम्बुलेंस सेवाएं आरबीजी फाउंडेशन की पहल पर तथा लालबागचा राजा गणेशोत्सव मंडल के सहयोग से दैनिक घटनाओं का कवरेज करने वाले पत्रकारों एवं कैमरामैन की सुरक्षा हेतु उपलब्ध कराई गई हैं।

इस अवसर पर एसोसिएशन के महासचिव पंकज दलवी, कार्यकारी सदस्य मानश्री पाठक, मनाली गायकवाड़, राजेश सफले, अनिल साउंडाडे सहित विधान भवन के अनेक मीडिया प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। यह भावना व्यक्त की गई कि यह पहल पत्रकारों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संरक्षण को और अधिक सुदृढ़ करेगी।

मुंबई-मडगांव/हटिया और पुणे-दानापुर के बीच मध्य रेल द्वारा चलाई जाने वाली 18 अतिरिक्त होली स्पेशल ट्रेनें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आगामी होली त्यौहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए मध्य रेल छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-मडगांव/हटिया, लोकमान्य तिलक टर्मिनस-मडगांव और पुणे-दानापुर के बीच 18 अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें चलाएगी। विवरण नीचे दिया गया है:

(1) सीएसएमटी - मडगांव - सीएसएमटी एसी स्पेशल- (4 सेवाएं)

ट्रेन संख्या 01049 स्पेशल दिनांक 03.03.2026 और 06.03.2026 को सीएसएमटी से 00:30 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 13:30 बजे मडगांव पहुंचेगी। (2 सेवाएँ)

ट्रेन संख्या 01050 स्पेशल दिनांक 03.03.2026 और 06.03.2026 को 16.30 बजे मडगांव से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.20 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी। (2 सेवाएँ)

ठहराव : दादर, ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, मानगांव, वीर, खेड़, चिपलून, सावरदा, अरावली रोड, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अडावली, विलवडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, नंदगांव रोड, कंकवली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड, थिविम और करमाली।

संरचना: 18 एसी 3-टियर इकोनॉमी और 2 जेनरेटर वैन।

(2) एलटीटी - मडगांव - एलटीटी स्पेशल- (4 सेवाएं)

ट्रेन संख्या 01047 दिनांक 28.02.2026 और 07.03.2026 को एलटीटी से 22.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12.00 बजे मडगांव पहुंचेगी। (2 सेवाएं)

ट्रेन संख्या 01048 दिनांक 01.03.2026 और 08.03.2026 को मडगांव से 18.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06.50 बजे एलटीटी पहुंचेगी। (2 सेवाएं)

ठहराव: ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, मानगांव, वीर, खेड़, चिपलुन, सावरदा, अरावली रोड, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अडावली, विलवडे, राजपुर रोड, वैभववाड़ी रोड, नंदगांव रोड (केवल - 01047 के लिए), कंकवली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड, थिविम और करमाली।

संरचना: 1 एसी 2-टियर, 6 एसी 3-टियर, 9 शयनयान श्रेणी , 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी , 1 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड्स ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर वैन।

(3) एलटीटी-हटिया-एलटीटी स्पेशल- (4 सेवाएं)

ट्रेन संख्या 08610 स्पेशल दिनांक 04.03.2026 और 11.03.2026 को सुबह 5:00 बजे एलटीटी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18:00 बजे हटिया पहुंचेगी। (2 सेवाएं)

ट्रेन संख्या 08609 स्पेशल दिनांक 02.03.2026 और 09.3.2026 को हटिया से 16:20 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन रात 00:40 बजे एलटीटी पहुंचेगी। (2 सेवाएं)

ठहराव : ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाड, चालीसगांव, पचोरा, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, बडनेरा, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा और राउरकेला

संरचना: 2 एसी 2-टियर, 5 एसी 3-टियर, 2 एसी 3-टियर इकोनॉमी, 7 शयनयान श्रेणी , 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी , 1सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड्स ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर वैन।

(4) पुणे-दानापुर-पुणे स्पेशल (6 सेवाएं)

ट्रेन संख्या 01479 स्पेशल पुणे से दिनांक 01.03.2026, 05.03.2026 और 09.03.2026 को 19:55 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 08:00 बजे दानापुर पहुंचेगी। (3 सेवाएँ)।

ट्रेन संख्या 01480 स्पेशल दिनांक 03.03.2026, 07.03.2026 और 11.03.2026 को 10.00 बजे दानापुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18:15 बजे पुणे पहुंचेगी। (3 सेवाएँ)।

ठहराव : दौंड कॉर्ड केबिन, अहिल्यानगर, कोपरगांव, मनमाड, जलगांव, भुसावल, इटारसी, मदन महल, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा।

संरचना: 1 फर्स्ट एसी , 1 एसी 2 टियर , 1 एसी 3 टियर, 11 शयनयान श्रेणी, 5 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन

आरक्षण: विशेष ट्रेन संख्या 01047, 01049 और 01479 के लिए बुकिंग खुली है और विशेष ट्रेन संख्या 08610 के लिए बुकिंग दिनांक 02.03.2026 से खुलेगी

सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट http://www.irctc.co.in पर उपलब्ध है। अनारक्षित डिब्बो के लिए सामान्य शुल्क पर बुकिंग यूटीएस प्रणाली के माध्यम से की जा सकती है। यात्री टिकट बुकिंग के लिए रेलवन ऐप भी डाउनलोड कर सकते हैं। इन विशेष ट्रेनों के ठहराव एवं समय की विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें।

भाजपा क्षेत्रीय भाषाओं को खत्म कर हिंदी की सर्वोच्चता थोपना चाहती है-उद्धव ठाकरे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मराठी गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। ठाकरे ने भाजपा पर 'सांस्कृतिक वर्चस्व' की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र की सत्ताधारी पार्टी क्षेत्रीय पहचान को मिटाकर हिंदी की सर्वोच्चता स्थापित करने के मिशन पर है।

उद्धव ठाकरे मराठी गौरव दिवस के अवसर पर पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि भाजपा की नीति क्षेत्रीय भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों को खत्म करने की है क्योंकि वह हिंदी की सर्वोच्चता स्थापित करना चाहती है। ठाकरे ने दावा किया कि भाजपा शिवसेना (उबाठा) को खत्म करना चाहती है क्योंकि वह जानती है कि जब तक यह पार्टी अस्तित्व में है, 'मराठी मानुष' गर्व से खड़े रहेंगे।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र को एक क्षेत्रीय दल की जरूरत है और वह दल शिवसेना (उबाठा) है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी को लोगों पर थोपा नहीं जाना चाहिए। ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में मराठी का उपयोग अनिवार्य करने वाली सरकार भी उन्हीं की थी। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार द्वारा मराठी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदम बाद की सरकारों द्वारा रोक दिए गए। उन्होंने यह भी कहा कि मराठी भवन का निर्माण अभी तक नहीं हुआ है।

राजनीतिक गलियारों में हलचल

उद्धव ठाकरे का यह बयान ऐसे समय में आया है जब महाराष्ट्र में आगामी चुनावों को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। भाषा और 'मराठी अस्मिता' का कार्ड खेलकर ठाकरे ने न केवल अपने कैडर में जोश भरने की कोशिश की है, बल्कि भाजपा को 'मराठी विरोधी' दिखाने का दांव भी चला है।

मनपा स्थापना दिवस के खर्च पर उठे सवाल जिद्दी मराठा प्रतिष्ठान ने लगाए आरोप

मंत्र भारत। भाईदंर

जिद्दी मराठा प्रतिष्ठान के जंगम प्रदीप दिलीप,ने मीरा-भाईंदर महानगरपालिका द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर किए जा रहे खर्च को लेकर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई है।उन्होंने आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र शासन की 29 नवंबर 2017 की अधिसूचना के अनुसार 'ड' वर्ग महानगरपालिकाओं के लिए समारंभों पर वार्षिक खर्च की सीमा ?5 लाख निर्धारित है, इसके बावजूद पालिका में इस सीमा का उल्लंघन किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस के नाम पर भव्य सजावट, फूलों की डेकोरेशन, बड़े पैमाने पर होर्डिंग-बैनर, मंडप,लाइट, साउंड, अल्पहार आदि पर अनावश्यक खर्च किया जा रहा है।उनका दावा है कि यह व्यय शासन की निर्धारित सीमा से अधिक है और पूर्व में दायर याचिका क्रमांक 4689/2016 के संदर्भ में न्यायालयीन मुद्दा भी बन चुका है।जिद्दी मराठा प्रतिष्ठान के जंगम प्रदीप दिलीप का कहना है,कि यदि शहर में न्यायालयीन आदेशों के बावजूद होर्डिंग लगाए जा रहे हैं

तो यह केवल आर्थिक अनुशासन का ही नहीं,बल्कि कानून के सम्मान का भी प्रश्न है।उन्होंने यह भी मांग की है कि स्थापना दिवस जैसे आयोजनों पर होने वाले खर्च को नियंत्रित कर बचाई गई राशि सरकारी अस्पतालों की बंद पड़ी मशीनरी और ओपीडी सेवाओं को सुचारु करने में लगाई जाए। उनके अनुसार जनधन का उपयोग प्राथमिक सुविधाओं पर होना चाहिए, न कि दिखावटी आयोजनों पर।

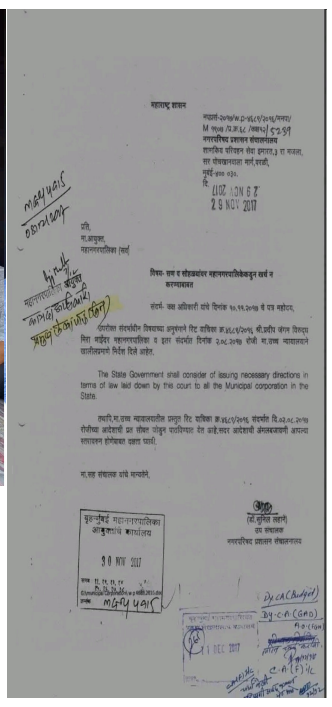

खैरी गांव में पाइपलाइन मरम्मत के बाद पानी पीने योग्य- राज्य मंत्री मेघना साकोरे-बोर्डीकर

मुंबई। गांवों में जलापूर्ति योजना के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाता है तथा टंकियों के पानी की समय-समय पर जांच की जाती है। साथ ही गांव स्तर पर पानी को शुद्ध करने के लिए क्लोरीन मिलाने की व्यवस्था की जाती है। खैरी गांव में पाइपलाइन की मरम्मत के बाद लिए गए जल नमूनों की जांच के अनुसार पानी पीने योग्य पाया गया है, ऐसी जानकारी राज्य मंत्री मेघना साकोरे-बोर्डीकर ने विधान सभा में दी।

विधानसभा सदस्य संजय मेश्राम ने नागपुर जिले के सावनेर तालुका के खैरी (ढालगांव) ग्राम पंचायत क्षेत्र में दूषित जलापूर्ति के संबंध में प्रश्न उपस्थित किया था।

राज्य मंत्री मेघना साकोरे-बोर्डीकर ने आगे कहा कि यदि दूषित पानी के कारण ग्रामीणों में कोई बीमारी उत्पन्न होती है, तो तुरंत निरीक्षण कर यह जांच की जाती है कि जल स्रोत पीने योग्य है या नहीं, तथा आवश्यकता होने पर जल स्रोत बदला जाता है। पानी की तीन अलग-अलग स्तरों पर समय-समय पर जांच की जाती है। जहां पाइपलाइन टूटने के कारण दूषित जलापूर्ति होती है, वहां ग्राम पंचायत या जिला परिषद स्तर पर पाइपलाइन बदलने की आवश्यक कार्रवाई की जाती है।

इस चर्चा में विधानसभा सदस्य सुलभा गायकवाड़ ने सहभागिता की।

मध्य रेल

भुसावल मंडल

ई - निविदा आमंत्रण सूचना सं. :- BSL-L-W-T-15-2026

कार्य का विवरण: देवलाली में एनएमजी / एनएमजीएच /एनएमजीएचएस के लिए जांच और रखरखाव सुविधाओं के विकास के संबंध में विद्युतीकरण का काम। **अनुमानित लागत:** ₹ 5,04,89,379. **ऑनलाईन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक और समय: 24.03.2026को 15.00 बजे।** वेबसाईट विवरण **https://www.ireps.gov.in**

AK/BSL-09

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या DRM-BRC 186 से 187 वर्ष 2025-26

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डिविजनल रेलवे मैनेजर (WA/C), वेस्टर्न रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004 द्वारा नीचे दिए गए कामों के लिए सीलबंद ई-निविदा मंगाए गए हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में)	जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा (रुपयें में)
1	DRM BRC 186 of 2025-26	वडोदरा मंडल में टाइप-II स्टाफ क्वार्टर की 80 यूनिट का कंस्ट्रक्शन	20,61,00,602.15	11,80,500.00
2	DRM BRC 187 of 2025-26	वडोदरा मंडल: DRM ऑफिस में लॉन, गार्डन, बंगले, ORH, हेरिटेज पार्क, प्रतापनगर में नया टाइप V क्वार्टर, ब्लॉक नंबर 18/A से 18/F और बंगला नंबर 7, विश्वामित्री कॉलोनी में गार्डन, BRCP में; BRCY में 10 महीने के लिए मेंटेनेंस का प्रपोज़ल (शेष काम के लिए पुनःआमंत्रित)	55,93,459.25	1,11,900.00

निविदा प्रस्तुत करने तथा निविदा खोलने की तिथि एवं समय: निविदा दिनांक **18.03.2026** को **15.00** बजे से पहले प्रस्तुत की जानी है तथा उसी तिथि को **15.30** बजे खोली जानी है। **वेबसाइट विवरण तथा उस स्थान के निर्देश जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है कार्यालय का पता: वेबसाइट: www.ireps.gov.in.** मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा -390 004.

BRC 373

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

ज्वलनशील एवं समान प्रकार के खतरनाक पदार्थ

मानक परिवहन प्रक्रिया तैयार करने के आदेश- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधान सभा में जानकारी दी कि राजमार्गों पर यातायात को अधिक सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से ज्वलनशील तथा समान प्रकार के खतरनाक पदार्थों के परिवहन हेतु मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने के आदेश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस 3 फरवरी 2026 को मुंबई-पुणे द्रुतगति मार्ग पर प्रोपाइलीन ज्वलनशील रासायनिक गैस ले जा रहा टैंकर पलटने से उत्पन्न यातायात जाम के संबंध में उठाई गई चिंता का उत्तर दे रहे थे। इस चर्चा में सदस्य जयंत पाटिल एवं आदित्य ठाकरे ने सहभागिता की।

आईटीएमएस प्रणाली कार्यरत

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएँ दोबारा न हों, इसके लिए ऐसे पदार्थों का परिवहन करने वाली कंपनियों को इस संबंध में मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं तथा ऐसी आपात स्थिति में तत्काल सुरक्षित उपाय करने हेतु बचाव प्रणाली एवं उपकरण उपलब्ध होना आवश्यक है। इसी प्रकार केंद्र सरकार की संबंधित कंपनियों को भी इस प्रक्रिया में शामिल कर उपयुक्त दिशानिर्देश तैयार करने के आदेश दिए गए हैं।

मुंबई-पुणे द्रुतगति मार्ग पर स्थापित आईटीएमएस प्रणाली वर्तमान में कार्यरत है। इस प्रणाली के माध्यम से ऐसी दुर्घटनाओं की स्थिति में नागरिकों तक तुरंत सूचना पहुँचाई जा सकती है तथा यातायात प्रबंधन, नियंत्रण एवं मार्ग

परिवर्तन में सुविधा मिल सकती है। ऐसी घटनाओं में यात्रियों को तत्काल सूचना उपलब्ध कराने हेतु आईटीएमएस के माध्यम से व्यवस्था लागू करने की योजना बनाई जा रही है। प्रत्येक यात्री को ऐसी स्थिति की तुरंत जानकारी मिल सके, इसके लिए आवश्यक व्यवस्था करने के आदेश दिए जाएंगे, ऐसा मुख्यमंत्री ने कहा।

इस यातायात जाम के दौरान 36 घंटों के भीतर वसूला गया टोल संबंधित वाहन मालिकों को वापस करने का निर्णय लिया गया है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि अन्य विकसित देशों में ऐसी आपात परिस्थितियों में तत्काल उपाय कैसे लागू किए जाते हैं, इसकी जानकारी राज्य सड़क विकास निगम के माध्यम से ली जा रही है।

यातायात योजना एवं यात्रियों की आपात निकासी प्रणाली

मुंबई-पुणे द्रुतगति मार्ग पर यातायात भीड़ का अध्ययन करने, भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर त्वरित उपाय करने, ऐसी परिस्थितियों में यातायात की योजना बनाने तथा यात्रियों की आपात निकासी हेतु कार्यप्रणाली तैयार करने के लिए भारतीय सड़क कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सी. पी. जोशी की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति नियुक्त की गई है।

3 फरवरी को सायंकाल लगभग 5 बजे केरल के कोच्चि से गुजरात के सूरत जा रहा प्रोपाइलीन गैस से भरा टैंकर मुंबई दिशा में आदोशी सुरंग के निकट पलट गया, जिससे ज्वलनशील गैस का रिसाव हुआ। यात्रियों की सुरक्षा हेतु द्रुतगति मार्ग पर यातायात बंद कर दिया गया। यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए घटना की जानकारी समाचार माध्यमों एवं सामाजिक माध्यमों से दी गई। साथ ही राजमार्ग पुलिस विभाग के सहायता हेतु हेल्पलाइन क्रमांक 9833498334 पर प्राप्त कॉलों के माध्यम से भी घटना एवं यातायात की स्थिति की जानकारी दी जा रही थी।

राजमार्ग पुलिस, रायगढ़ जिला पुलिस बल, अग्निशमन दल, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड, हेल्प फाउंडेशन, कुछ रासायनिक विशेषज्ञ तथा क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय पनवेल के अधिकारी गैस रिसाव रोकने एवं यातायात बहाल करने हेतु घटनास्थल पर उपस्थित थे। चूंकि दुर्घटनाग्रस्त टैंकर में अत्यंत ज्वलनशील प्रोपाइलीन गैस थी, इसलिए 3 फरवरी 2026 को सायं 5 बजकर 10 मिनट पर दुर्घटना स्थल से लगभग 100 मीटर पूर्व मुंबई की ओर जाने वाला यातायात रोक दिया गया।

दुर्घटना को देखते हुए मुंबई की ओर जाने वाले यातायात को पुणे मार्ग की एक लेन में परिवर्तित किया गया तथा पुणे की ओर जाने के लिए शेष दो लेन खुली रखी गईं। यह व्यवस्था 4 फरवरी 2026 को रात्रि 12 बजकर 44 मिनट पर दोनों मार्गों के मध्य स्थित अवरोधक हटाकर की गई। साथ ही मुंबई की ओर जाने वाले यातायात को लोणावला एवं खोपोली मार्ग से राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 48 पर मोड़ा गया।

रासायनिक विशेषज्ञ गैस रिसाव रोकने के लिए लगातार प्रयास कर रहे थे तथा दुर्घटनाग्रस्त टैंकर की गैस को दूसरे खाली टैंकर में भरने की प्रक्रिया भी जारी थी। दुर्घटनाग्रस्त टैंकर की गैस दो अन्य खाली टैंकरों में भरी गई तथा 5 फरवरी 2026 को दोपहर 1 बजकर 5 मिनट पर दुर्घटनाग्रस्त टैंकर से एक अन्य केबिन जोड़ा गया। इसके पश्चात टैंकर को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर दोपहर 1 बजकर 45 मिनट पर पुणे मार्ग की तीनों लेनों में यातायात पुनः प्रारंभ किया गया। उक्त गैस टैंकर के वायु रिसाव को रोकना तकनीकी रूप से अत्यंत चुनौतीपूर्ण था।

इस विषय पर 10 फरवरी 2026 को संबंधित अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

साप्ताहिक एवं सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी कर संकलन कार्यालय रहेंगे खुले

नवी मुंबई महानगरपालिका के मालमत्ता कर विभाग द्वारा शहर में संपत्ति कर वसूली अभियान चलाया जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष के बजट लक्ष्य को पूरा करने के लिए अब केवल एक माह शेष है। इस बात को ध्यान में रखते हुए नागरिकों को कर भुगतान में अधिक

सुविधा मिले, इसके लिए महानगरपालिका का मुख्य कार्यालय तथा शहर के 8 विभागीय कर संकलन कार्यालय शनिवार, रविवार तथा गुड़ी पड़वा, श्रीराम नवमी और महावीर जयंती जैसे सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक खुले रहेंगे।

नवी मुंबई शहर के संपत्ति धारकों के लिए 8 विभागीय कर संकलन कार्यालय कार्यरत हैं, जहां कर भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। साथ ही महानगरपालिका की वेबसाइट, माय एनएमएमसी एप, सभी बैंकों के डेबिट कार्ड, आरटीजीएस तथा सभी प्रकार की यूपीआई सुविधाओं के माध्यम से ऑनलाइन कर भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है। नागरिकों को किसी भी महानगरपालिका कार्यालय या कर संकलन केंद्र पर जाने की आवश्यकता नहीं है और वे घर बैठे मोबाइल के एक क्लिक से कर का भुगतान कर सकते हैं।

मालमत्ता कर विभाग द्वारा अब बकायेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई शुरू की गई है तथा बकाया धारकों की संपत्तियों की जब्ती की कार्रवाई की जा रही है। नवी मुंबई महानगरपालिका के मालमत्ता कर विभाग द्वारा विभिन्न माध्यमों से नागरिकों से संपत्ति कर समय पर भरने की अपील की जा रही है। ऑनलाइन कर भुगतान की सुविधा दिनांक 31 मार्च 2026 तक उपलब्ध रहेगी। शहर के करदाताओं से अनुरोध है कि वे संपत्ति कर का समय पर भुगतान कर शहर के विकास में योगदान दें तथा बकाया के कारण होने वाली कार्रवाई से बचने के लिए अपना लंबित कर निर्धारित समय में भरें, ऐसा आवाहन महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे की ओर से किया गया है।

सरकारी वैद्यकीय महाविद्यालयों में रेडियोलॉजी विभाग पीपीपी आधार पर जारी रहेगा- राज्य मंत्री माधुरी मिसाल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य में 23 नवंबर 2021 से एमआरआई, सीटी स्कैन एवं पीईटी स्कैन सुविधाएँ सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) आधार पर उपलब्ध कराने की नीति प्रारंभ की गई है। इसके लिए 10 वर्ष का अनुबंध किया गया है। मरीजों को सेवाएँ केवल सरकारी दर पर ही मिलती हैं। यदि सेवा प्रदाता की दर अधिक होती है तो अंतर की राशि सरकार वहन करती है। इसलिए मरीजों को अतिरिक्त भुगतान नहीं करना पड़ता। यह योजना मरीजों पर कोई आर्थिक भार नहीं डालती और यह योजना आगे भी जारी रहेगी, ऐसा स्पष्टीकरण राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने दिया।

विधानसभा में सदस्य राजू तोडसम ने राज्य के सरकारी वैद्यकीय महाविद्यालयों में रेडियोलॉजी विभाग सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) आधार पर चलाने के निर्णय को रद्द करने के संबंध में प्रश्न उठाया था।

राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने कहा कि इस मॉडल के कारण मशीनों की खरीद के लिए सरकार को पूंजीगत व्यय नहीं करना पड़ता। मशीनों का रखरखाव, संचालन तथा देखभाल की जिम्मेदारी निजी भागीदारों की होती है। कुछ स्थानों पर सेवाएँ सरकारी दर से भी कम दर पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुंबई की 11 तथा नागपुर की 8 संस्थाओं को इस योजना के अंतर्गत लिया गया है और वे उत्कृष्ट रूप से कार्य कर रही हैं। दस वर्ष के अनुबंध के पश्चात संबंधित मशीनरी उचित स्थिति में सरकार को हस्तांतरित कर दी जाएगी, ऐसा राज्य मंत्री मिसाल ने बताया। इस चर्चा में विधानसभा सदस्य अमित देशमुख एवं अतुलबाबा भोसले ने सहभागिता की।

ऑनलाइन खाद्य वितरण कर्मचारियों का चरित्र सत्यापन अनिवार्य- श्रम मंत्री आकाश फुंडकर

मुंबई।ऑनलाइन खाद्य वितरण सेवाएं प्रदान करने वाले सभी प्रतिष्ठानों के लिए अपने कर्मचारियों का चरित्र सत्यापन कराना अनिवार्य होगा। आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन बीमा तथा श्रम पंजीकरण सहित सभी दस्तावेजों की जांच की जानी चाहिए। पुलिस सत्यापन के बिना नियुक्त किए गए कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी, ऐसा श्रम मंत्री आकाश फुंडकर ने कहा।

विधानसभा में सदस्य भीमराव तापकीर ने राज्य सहित मुंबई में ऑनलाइन खाद्य वितरण कंपनियों द्वारा डिलीवरी कर्मचारियों की नियमित जांच के संबंध में प्रश्न उठाया था।

श्रम मंत्री फुंडकर ने कहा कि वर्तमान में कुछ कंपनियां ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से डिलीवरी साझेदार नियुक्त करती हैं। चूंकि यह प्रक्रिया तृतीय पक्ष संगठनों के माध्यम से की जाती है, इसलिए कंपनियों की प्रत्यक्ष जिम्मेदारी सीमित प्रतीत होती है। तथापि, हाल के समय में कुछ स्थानों पर घटी घटनाओं के मद्देनजर गृह विभाग एवं श्रम विभाग के बीच इस विषय पर चर्चा की गई है, ऐसा उन्होंने बताया।

देशव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मुंबई से वर्चुअल उपस्थिति

मुंबई।भारत की 'नारी शक्ति' को सशक्त बनाने तथा माताओं और बेटियों के स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। महिलाओं के स्वास्थ्य और सम्मान के प्रति सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाने वाला यह अभियान समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता की संस्कृति विकसित करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है, ऐसे उद्गार नरेंद्र मोदी ने व्यक्त किए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अजमेर से देशव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मुंबई से वर्चुअल माध्यम द्वारा कार्यक्रम में शामिल हुए। 'वर्षा' निवासस्थान पर वित्त एवं नियोजन राज्यमंत्री एड. आशीष जयस्वाल, अपर मुख्य सचिव अश्विनी भिड़े, सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव डॉ. निपुण विनायक तथा प्रधान सचिव डॉ. श्रीकर परदेशी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि परिवार में माँ बीमार पड़ जाए तो पूरा घर प्रभावित होता है, लेकिन माँ स्वस्थ हो तो परिवार हर संकट का सामना कर सकता है। इसी भावना से सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अनेक योजनाएँ चला रही है। उज्ज्वला गैस योजना, सैनिटरी पैड की उपलब्धता और शौचालय निर्माण जैसे 'मिशन मोड' कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि सुरक्षित मातृत्व योजना के अंतर्गत गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार के लिए महिलाओं के खातों में 5,000 रुपये जमा किए जा रहे हैं।

17 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा से संबंधित लगभग 17,000 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया।

पायाभूत सुविधाओं पर बल देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सड़क, रेल और हवाई संपर्क की आधुनिक व्यवस्था से राजस्थान का भविष्य बदल रहा है। दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर क्षेत्र में विकसित हो रही आधारभूत संरचनाओं के कारण राजस्थान वैश्विक निवेश के लिए 'अवसरों की भूमि' बन रहा है।

राजस्थान की सौर ऊर्जा क्षमता का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए सरकार 78,000 रुपये तक की सहायता प्रदान कर रही है। 'विकसित राजस्थान से विकसित भारत' के मंत्र को दोहराते हुए प्रधानमंत्री ने राजस्थान की सांस्कृतिक एवं शौर्यपूर्ण परंपरा की सराहना की और राज्य के उज्ज्वल भविष्य का विश्वास व्यक्त किया।

होली के अवसर पर पश्चिम रेलवे चलाएगी बांद्रा टर्मिनस - गोरखपुर के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की सुविधा तथा होली पर्व के दौरान बढ़ी हुई यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए, पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस - गोरखपुर के बीच विशेष किराये पर एक जोड़ी अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09019 बांद्रा टर्मिनस - गोरखपुर विशेष दिनांक रविवार, 1 मार्च 2026 को बांद्रा टर्मिनस से 08:35 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20:40 बजे गोरखपुर पहुँचेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09020 गोरखपुर - बांद्रा टर्मिनस विशेष दिनांक सोमवार, 2 मार्च 2026 को गोरखपुर से 23:35 बजे प्रस्थान करेगी तथा बुधवार को 09:45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

मार्ग में यह ट्रेन बोरिवली, पालघर, दहानु रोड, वापी, वलसाड, नवसारी, उधना, सायन, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, शुजलपुर, सीहोर, संत हिरदाराम नगर, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, मनकापुर, बस्ती और खलीलाबाद स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकंड क्लास के कोच होंगे।

ट्रेन के समय एवं संरचना संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर विजिट कर सकते हैं।

नवी मुंबई महानगरपालिका की स्वास्थ्य, स्वच्छता, जलापूर्ति, आवास तथा परिवहन व्यवस्था सहित सभी सेवाओं में सक्रिय सहभागिता

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

'हिंद-दी-चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी की 350वीं शहादत वर्षगांठ आज 28 फरवरी से अत्यंत धूमधाम से प्रारंभ हो गई है और दो दिवसीय इस आयोजन में देश-विदेश से श्रद्धालुओं का निरंतर आगमन हो रहा है। महाराष्ट्र शासन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए नवी मुंबई महानगरपालिका ने प्रारंभ से ही पहल की तथा 10 फरवरी से विद्यालयों, महाविद्यालयों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न संस्थाओं की सक्रिय सहभागिता से विविध गतिविधियाँ सफलतापूर्वक क्रियान्वित की गईं।

अनुमान है कि दो दिनों में लगभग 20 लाख नागरिक कार्यक्रम स्थल पर पहुँचेंगे। कोंकण मंडल आयुक्त श्री विजय सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में की गई समुचित योजना के अनुसार नवी मुंबई महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने इस पर विशेष ध्यान दिया और महानगरपालिका प्रत्येक पहलू में पूर्णतः सक्रिय रही।

नवी मुंबई महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार को मुख्य कार्यक्रम समन्वय अधिकारी नियुक्त किया गया तथा विभागाध्यक्ष स्तर के अधिकारियों को आवास, जलापूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधाएँ, शौचालय प्रबंधन, परिवहन, प्रचार-प्रसार आदि की जिम्मेदारी सौंपी गई। 10 फरवरी से प्रत्येक चरण में नियोजित कार्य किया गया।

इस कार्यक्रम के लिए 27 फरवरी से देशभर से आने वाले नागरिकों के ठहरने हेतु 18 स्थानों पर 2800 से अधिक बिस्तरों एवं संबंधित सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

कार्यक्रम स्थल पर बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) कक्ष प्रारंभ किया गया है, जिसमें 25 चिकित्सक एवं 75 पैरामेडिकल कर्मचारी सेवाएँ दे रहे हैं। इसके साथ निःशुल्क औषधि वितरण किया जा रहा है तथा 4 आधुनिक एम्बुलेंस तैनात की गई हैं। साथ ही महानगरपालिका क्षेत्र के मनपा एवं निजी अस्पतालों में 300 बिस्तरों की चिकित्सा सुविधा नियोजित की गई है।

श्रद्धालुओं को कार्यक्रम स्थल तक पहुँचाने हेतु आवास स्थलों के साथ-साथ निकटतम रेलवे स्टेशन एवं मेट्रो स्टेशन से एनएमएमटी बसों की व्यवस्था की गई है। किसी को असुविधा न हो, इस प्रकार की समुचित बस व्यवस्था तैयार की गई है तथा कार्यक्रम हेतु 106 एनएमएमटी बसों की 1400 फेरे नियोजित की गई हैं। इसके नियंत्रण के लिए 200 से अधिक एनएमएमटी कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु कार्यक्रम स्थल पर 1000 शौचालयों की व्यवस्था की गई है तथा उनकी सफाई के लिए कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं। जेटिंग मशीन एवं सक्शन यूनिट सक्रिय रखी गई हैं।

ओवे मैदान के विशाल परिसर में लाखों नागरिकों की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए 500 से अधिक स्वच्छता कर्मी, 25 पर्यवेक्षक, 8 स्वच्छता निरीक्षक तथा 2 स्वच्छता अधिकारी तीनों पालियों में तैनात हैं। 10 कचरा वाहन नियमित रूप से कचरा संकलन करेंगे तथा पूर्व में डस्ट सप्रेशन मशीन एवं यांत्रिक सफाई मशीनों द्वारा सफाई की गई है और कार्यक्रम अवधि में भी उनका उपयोग किया जाएगा।

प्रसाद हेतु यहाँ बड़ी संख्या में लंगर स्थापित किए गए हैं। इस उद्देश्य से आवश्यक सामग्री दान स्वरूप उपलब्ध कराने की नवी मुंबई महानगरपालिका आयुक्त द्वारा की गई अपील को नवी मुंबई बिल्डर्स एसोसिएशन एवं एपीएमसी मार्केट व्यापारी संघ के पदाधिकारियों से अच्छा प्रतिसाद मिला। उनके माध्यम से विभिन्न खाद्य पदार्थ, पेयजल, खाद्यान्न एवं सब्जियाँ दान स्वरूप उपलब्ध कराई गईं।

27 फरवरी को सीबीडी बेलापुर स्थित गुरुद्वारे से कार्यक्रम स्थल ओवे मैदान तक निकाली गई नगर कीर्तन पहल को उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला।

'हिंद-दी-चादर' कार्यक्रम का विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के जीवन चरित्र के माध्यम से एकता एवं मानवता का संदेश प्रसारित किया जा रहा है, इसलिए समागम कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकतम विद्यार्थियों को जोड़ने का उद्देश्य रखा गया। इसके अनुसार 10 फरवरी से मनपा शिक्षा विभाग द्वारा महानगरपालिका क्षेत्र के 435 विद्यालयों में प्रतिदिन प्रसिद्ध गायक श्री सतिंदर सरताज द्वारा प्रस्तुत 'हिंद-दी-चादर' भक्ति गीत का प्रदर्शन किया गया। उनके जीवन एवं इतिहास को समझाने हेतु एक वृत्तचित्र भी दिखाया गया।

सभी विद्यालयों में प्रभात फेरी आयोजित की गई, जिसमें 2,46,297 विद्यार्थियों ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में 37,350 विद्यार्थी, निबंध प्रतियोगिता में 2,26,940 विद्यार्थी, चित्रकला प्रतियोगिता में 2,21,815 विद्यार्थी तथा वाचन प्रतियोगिता में 33,653 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। एकल एवं समूह भजन गायन प्रतियोगिता में 2,26,734 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस संबंध में आयोजित प्रतियोगी परीक्षा में 1,27,981 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शासन निर्देशानुसार इन सभी गतिविधियों के 12,980 भू-टैग छायाचित्र एवं 3,571 वीडियो शासन द्वारा निर्देशित संकेतस्थल पर अपलोड किए गए।

'हिंद-दी-चादर' अंतर्गत मनपा स्वास्थ्य विभाग द्वारा नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में 152 स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए, जिनसे 18,850 नागरिक लाभान्वित हुए।

इसी प्रकार 89 स्थानों पर आयोजित गहन स्वच्छता अभियान में 10,393 नागरिकों सहित स्वच्छता दूतों ने सहभागिता की।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे हादसे से सबकः आपात स्थिति में टैंकर एयरलिफ्ट और नए एसओपी पर विचार

मुंबई। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर हाल ही में हुए गैस टैंकर हादसे के बाद महाराष्ट्र सरकार अब आपात स्थिति में क्षतिग्रस्त टैंकरों को एयरलिफ्ट करने के विकल्प पर विचार कर रही है। इस दुर्घटना के कारण करीब 36 घंटे तक भारी ट्रैफिक जाम लगा रहा, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

क्या है सरकार का नया एसओपी?

विधानसभा में इस मुद्दे पर चर्चा के दौरान परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि सरकार ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने और आपात प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत हाईवे पर समर्पित हैजर्डस मटेरियल रिस्पॉन्स यूनिट स्थापित की जाएंगी। टनल क्षेत्रों में अग्निशमन प्रणाली को और सुदृढ़ किया जाएगा, जिसमें फोम, पानी और अन्य अग्निशमन संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि दुर्घटनाग्रस्त टैंकर के पास वैध लाइसेंस था और उसका नियमित निरीक्षण किया जा रहा था। 3 फरवरी को खंडाला घाट के पहाड़ी क्षेत्र में चालक के नियंत्रण खोने से टैंकर पलट गया, जिससे सैकड़ों वाहन फंस गए। हालांकि अधिकारियों की त्वरित कार्रवाई से गैस रिसाव या आग जैसी बड़ी दुर्घटना टल गई।

शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे ने पेट्रोलियम और अन्य ज्वलनशील पदार्थों के परिवहन को लेकर तैयारियों पर सवाल उठाए। विशेष रूप से एचपीसीएल और बीपीसीएल जैसी कंपनियों द्वारा खतरनाक पदार्थों के आवागमन के संदर्भ में चर्चा हुई।

सरकार ने संबंधित कंपनियों को पर्याप्त बचाव उपकरण उपलब्ध रखने और स्पष्ट आपात प्रोटोकॉल तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

चर्चा में क्या सुझाव आए?

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कई देशों की तरह अत्यधिक आपात स्थिति में क्षतिग्रस्त टैंकरों को एयरलिफ्ट करने के विकल्प का अध्ययन किया जा रहा है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कई परिवहन कंपनियों के पास ऐसी दुर्घटनाओं से निपटने के स्पष्ट एसओपी नहीं हैं, जिन्हें अब अनिवार्य किया जाएगा।

एनसीपी (एसपी) विधायक जयंत पाटिल ने गंभीर जाम की स्थिति में हेलीकॉप्टर सेवा तैनात करने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि हेलीकॉप्टर उपलब्ध हैं, लेकिन रात्रि उड़ान से जुड़े प्रतिबंध संचालन में बाधा बनते हैं।

टोल रिफंड और आईटीएमएस उन्नयन

सरकार ने हादसे के दौरान वसूले गए टोल को वापस करने की घोषणा की है। मैन्युअल टोल का रिफंड तुरंत किया गया, जबकि 36 घंटे के दौरान फास्टैग से वसूले गए 5 करोड़ रुपये से अधिक की राशि भी वाहन मालिकों को लौटाई जाएगी। साथ ही, इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) को और उन्नत किया जाएगा, ताकि संकट की स्थिति में साइनबोर्ड और एसएमएस अलर्ट के माध्यम से वास्तविक समय की जानकारी देकर वाहनों को प्रभावित मार्गों में प्रवेश से रोका जा सके।

सम्पादकीय

रंग जो दिलों तक उतर जाएँ

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में होली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और मानवीय संबंधों का जीवंत उत्सव है। यह वह अवसर है जब रंगों के बहाने मन के भीतर जमी धूल को झाड़ने, रिश्तों में आई दरारों को भरने और जीवन में नई ऊर्जा भरने का अवसर मिलता है। होली हमें याद दिलाती है कि जीवन की असली खूबसूरती बाहरी रंगों में नहीं, बल्कि भीतर की भावनाओं में छिपी होती है।

आज का समय तेज़ रफ्तार, प्रतिस्पर्धा और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं का है। परिवार साथ रहते हुए भी दूर होते जा रहे हैं। संवाद की जगह औपचारिक संदेशों ने ले ली है और संवेदनाओं की जगह तर्क ने। छोटी-छोटी बातों पर मनमुटाव, अहंकार और गलतफहमियाँ रिश्तों के बीच दीवार खड़ी कर देती हैं। ऐसे में होली एक अवसर बनकर आती है–इन दीवारों को गिराने और अपनत्व के पुल बनाने का।

होली का वास्तविक संदेश क्षमा, स्वीकार और समानता में निहित है। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो यह प्रतीक होता है कि हम भेदभाव, कटुता और दूरी को पीछे छोड़ रहे हैं। रंगों की यह परंपरा हमें सिखाती है कि जीवन में विविधता ही सुंदरता है। अलग-अलग स्वभाव, विचार और संस्कृतियाँ मिलकर ही समाज को समृद्ध बनाती हैं। यदि हम इन विविधताओं को स्वीकार कर लें, तो अधिकांश विवाद स्वयं समाप्त हो सकते हैं।

मनमुटाव अक्सर संवाद की कमी से जन्म लेते हैं। हम अपनी बात कहने में देर कर देते हैं और दूसरे की बात सुनने का धैर्य खो बैठते हैं। त्योहार संवाद का स्वाभाविक अवसर प्रदान करते हैं। परिवार और मित्र जब एक साथ बैठते हैं, तो दिल की बातें खुलकर सामने आती हैं। एक सच्ची मुस्कान और एक आत्मीय आलिंगन वर्षों की दूरी को मिटा सकता है। होली हमें यही सहजता और खुलेपन का पाठ पढ़ाती है।

डिजिटल युग में जुड़ाव का स्वरूप बदला है। सोशल मीडिया पर शुभकामनाओं की भरमार होती है, लेकिन वास्तविक मिलन कम होता जा रहा है। होली हमें स्क्रीन से बाहर निकलकर वास्तविक संबंधों को प्राथमिकता देने की प्रेरणा देती है। रंगों से सना चेहरा और हँसी से भरा वातावरण उस आत्मीयता को जन्म देता है, जिसे कोई आभासी माध्यम पूरी तरह नहीं दे सकता।

परिवार के संदर्भ में होली का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह पीढ़ियों को जोड़ने का अवसर है। बच्चे जब अपने बड़ों को हँसते-खेलते देखते हैं, तो उनके भीतर भी अपनत्व और सहयोग की भावना विकसित होती है। बुज़ुर्गों के अनुभव और युवाओं का उत्साह मिलकर उत्सव को संपूर्ण बनाते हैं। होली का यह सामूहिक स्वरूप परिवार को मजबूत और जीवंत बनाता है।

सामाजिक स्तर पर भी यह पर्व समरसता का संदेश देता है। जाति, वर्ग, भाषा या आर्थिक स्थिति की दीवारें रंगों के सामने फीकी पड़ जाती हैं। जब पूरा समाज एक साथ उत्सव मनाता है, तो आपसी अविश्वास कम होता है और सहयोग की भावना बढ़ती है। आज के समय में, जब समाज विभिन्न स्तरों पर विभाजन का सामना कर रहा है, होली जैसे पर्व सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने का माध्यम बन सकते हैं।

हालाँकि यह भी सच है कि समय के साथ त्योहारों में दिखावे और उपभोक्तावाद की प्रवृत्ति बढ़ी है। महंगे आयोजन, प्रदर्शन और सोशल मीडिया पर छवि निर्माण की होड़ ने त्योहारों की आत्मा को कहीं-कहीं आच्छादित कर दिया है। हमें यह समझना होगा कि होली का वास्तविक आनंद सादगी, आत्मीयता और सहभागिता में है। जब हम अपेक्षाओं और प्रतिस्पर्धा से मुक्त होकर उत्सव मनाते हैं, तभी उसकी सच्ची अनुभूति होती है। मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी होली का महत्व कम नहीं है। तनाव और चिंता से भरे जीवन में यह पर्व हमें खुलकर हँसने, गाने और आनंद लेने का अवसर देता है। सकारात्मक भावनाएँ मन को हल्का करती हैं और नई ऊर्जा प्रदान करती हैं। जब हम गिले-शिकवे भुलाकर आगे बढ़ते हैं, तो भीतर एक शांति और संतोष का अनुभव होता है।

होली आत्ममंथन का भी समय है। यह सोचने का अवसर है कि क्या हमने किसी को अनजाने में आहत किया है? क्या कोई ऐसा संबंध है जिसे हमने समय न देकर कमजोर होने दिया? यदि उत्तर हाँ है, तो यह पर्व सुधार का अवसर देता है। एक छोटी-सी पहल–एक फोन कॉल, एक मुलाकात या एक स्नेहिल संदेश–रिश्तों में नई जान फूंक सकता है।

अंततः, होली हमें यह सिखाती है कि जीवन का असली रंग प्रेम और अपनत्व है। बाहरी रंग कुछ समय बाद फीके पड़ जाते हैं, लेकिन दिलों में भरे स्नेह के रंग स्थायी होते हैं। यदि हम इस त्योहार की भावना को अपने दैनिक जीवन में उतार लें, तो हर दिन एक उत्सव बन सकता है।

आइए, इस होली पर हम यह संकल्प लें कि मनमुटाव को पीछे छोड़ेंगे, संवाद को मजबूत बनाएँगे और रिश्तों को प्राथमिकता देंगे। क्योंकि जब दिल जुड़ते हैं, तभी समाज सशक्त होता है और जीवन सचमुच रंगों से भर उठता है। होली केवल रंगों का नहीं, बल्कि भावनाओं का पर्व है–और यही इसे सबसे खास बनाता है।

पेट भरा फिर भी कुपोषण, अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत के सामने गहराता 'मौन संकट'

भूख के विरुद्ध हमारी लंबी लड़ाई ने खेतों को लहलहाया, भंडारों को भरा और अन्न की कमी को काफी हद तक दूर किया। मगर, इस उपलब्धि के बीच एक मौन संकट पनपता रहा और वह है पोषण की कमी। पेट तो भर गया, पर शरीर को वह संपूर्ण ऊर्जा नहीं मिल सकी, जो स्वस्थ जीवन का मूल आधार है। कई दशकों तक दुनिया भर में भूख से लड़ने का मुख्य उपाय यही माना गया कि अधिक से अधिक खाद्यान्न पैदा किया जाए। हरित क्रांति और उसके बाद कृषि के आधुनिकीकरण ने भारत जैसे देशों को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता की राह दिखाई। मगर आज चुनौती केवल पेट भरने की नहीं है, बल्कि शरीर को सही पोषण देने की भी है। यह दोहरी समस्या हमें कृषि नीतियों, फसल विकास की दिशा और खाद्य व्यवस्था पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की ओर इशारा करती है।

फसलों की नई-नई किस्में इस उद्देश्य से विकसित की गई थीं कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन अधिकतम हो सके। इन किस्मों ने खेती की तस्वीर बदल दी और लाखों लोगों को भुखमरी से बचाया। मगर जब पूरी प्राथमिकता उपज बढ़ाने पर केंद्रित हो गई, तब फसलों के पोषण मूल्य पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। कई अध्ययनों से संकेत मिला है कि गेहूं और चावल जैसे खाद्यान्न की आधुनिक किस्मों में लौह तत्त्व, जिंक और कुछ विटामिन की मात्रा पारंपरिक देसी किस्मों की तुलना में कम हो सकती है। भले ही यह अंतर बहुत बड़ा न हो, लेकिन जिस समाज का भोजन मुख्य रूप से अनाज पर आधारित है, वहां इसका प्रभाव व्यापक हो सकता है। जब आहार में विविधता कम हो और अधिकांश भोजन केवल एक-दो फसलों पर निर्भर हो, तब पोषक तत्त्वों में हल्की-सी कमी भी बड़े पैमाने पर कुपोषण का कारण बन जाती है। भारत में पोषण की मौजूदा स्थिति इस सच्चाई को स्पष्ट करती है।

दुनिया के चावल और गेहूं के बड़े उत्पादक देशों में शामिल होने के बावजूद भारत में रक्त की कमी, ठिगनापन और कम वजन की समस्या बनी हुई है। विशेषकर प्रजनन आयु की महिलाएं और छोटे बच्चे इससे अधिक प्रभावित हैं। विभिन्न राष्ट्रीय सर्वेक्षणों और वैश्विक रपटों से यह बात सामने आती रही है कि खाद्य सुरक्षा और पोषण सुरक्षा एक ही बात नहीं है। केवल अनाज की उपलब्धता बढ़ जाने से पोषण की समस्या हल नहीं होती। महिलाओं और बच्चों में रक्त की कमी का बने रहना इस बात का प्रमाण है कि उन्हें जरूरी लौह तत्त्व और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्त्व पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रपट के अनुसार, भारत में वर्ष 2024 में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में से 18.7 फीसद कुपोषण से पीड़ित थे। इसी तरह राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) के मुताबिक, देश में पांच वर्ष से कम उम्र के 35.5 फीसद बच्चे बौने हैं। इससे एक बात तो स्पष्ट है कि केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि कितना खाद्यान्न पैदा हो रहा है; यह भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है कि उस खाद्यान्न में पोषक तत्त्वों की स्थिति क्या है।

इन चुनौतियों को समझते हुए कृषि अनुसंधान संस्थानों ने अब पोषक तत्त्वों से भरपूर किस्में विकसित करने की दिशा में काम शुरू किया है। जैव-संवर्धन इसी प्रयास की एक अहम कड़ी है। इसमें फसलों की ऐसी किस्में विकसित की जाती हैं, जिनमें प्राकृतिक रूप से पोषक तत्त्वों की मात्रा अधिक हो। यह समाधान टिकाऊ है, क्योंकि इसमें फसल की कटाई के बाद अलग से पोषक तत्त्व मिलाने की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि पोषण सीधे खेत से ही भोजन में पहुंचता है। फिर भी केवल तकनीकी उपाय पर्याप्त नहीं हैं। कृषि नीति में व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा, जिसमें आहार की विविधता को महत्त्व दिया जाए। पारंपरिक खेती में दालें, मोटे अनाज, तिलहन, फल और सब्जियां सब शामिल होते थे, जिससे संतुलित पोषण मिलता था। मगर समय के साथ एक ही प्रकार की फसलों पर निर्भरता बढ़ी और खेतों की विविधता कम हो गई। जबकि मोटे अनाज जैसे बाजरा, ज्वार और रागी पोषक तत्त्वों से भरपूर होते हैं और सूखे की स्थिति में इनकी पैदावार अच्छी होती है। इन्हें 'पोषक अनाज' के रूप में फिर से बढ़ावा देना कुपोषण से लड़ने का सशक्त माध्यम हो सकता है।

मिट्टी का स्वास्थ्य भी इस पूरी प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की कमी होगी, तो फसलों में भी उनकी मात्रा कम हो सकती है। रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग और जैविक पदार्थों की कमी से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए संतुलित उर्वरक प्रयोग, फसल चक्र, जैविक खाद और मिट्टी परीक्षण जैसी पद्धतियों को बढ़ावा देना आवश्यक है। स्वस्थ मिट्टी में उगाई गई फसलें न केवल अधिक उत्पादन देती हैं, बल्कि बेहतर पोषण भी प्रदान करती हैं। इस प्रकार मिट्टी की सेहत, फसल की गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

ऐसे में सार्वजनिक वितरण प्रणाली और खाद्य सहायता कार्यक्रमों में भी बदलाव की आवश्यकता है। अब तक इनका मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्याप्त अनाज उपलब्ध कराना रहा है। यदि इन्हीं प्रणालियों के माध्यम से पोषक तत्त्वों से भरपूर अनाज, दालें और अन्य खाद्य पदार्थ वितरित किए जाएं, तो पोषण सुधार में खासी मदद मिल सकती है। विद्यालयों के मध्याह्न भोजन और गर्भवती महिलाओं के लिए पोषण योजनाओं में स्थानीय तथा विविध खाद्य पदार्थों को शामिल करने से उनकी सेहत में सुधार हो सकता है।

खाद्यान्न के प्रति उपभोक्ताओं की जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है। शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के कारण लोग अधिक प्रसंस्कृत और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। ये खाद्य पदार्थ ऊर्जा तो देते हैं, परंतु उनमें पोषक तत्त्वों की कमी होती है। संतुलित आहार, साबुत अनाज, दालें, फल और सब्जियों के महत्त्व को समझाने के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। यदि परिवारों, विशेषकर माताओं को सही जानकारी मिले, तो बच्चों के पोषण स्तर में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।

देखा जाए तो आर्थिक पहलू भी इस समस्या से जुड़े हुए हैं। किसान वही फसल उगाते हैं, जिसकी बाजार में मांग और उचित मूल्य मिलता है। यदि पोषक तत्त्वों से भरपूर फसलों को पर्याप्त समर्थन मूल्य और बाजार उपलब्ध नहीं होगा, तो जाहिर है कि किसान उनमें ज्यादा रुचि नहीं लेंगे और उनका उत्पादन सीमित ही रहेगा। इसलिए सरकार को व्यापक स्तर पर ऐसी नीतियां और योजनाएं बनानी चाहिए, जो किसानों को विविध एवं पोषक फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करें।

इन सब के बीच जलवायु परिवर्तन भी एक नई चुनौती बनकर सामने आया है। तापमान में वृद्धि और अनियमित वर्षा फसल उत्पादन एवं उनके पोषण मूल्य को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ शोध बताते हैं कि वातावरण में कार्बन डाइआक्साइड की बढ़ती मात्रा से फसलों में प्रोटीन और पोषक तत्त्वों की मात्रा घट सकती है। ऐसे में जलवायु के अनुकूल और पोषण से भरपूर फसलों की नई किस्मों का विकास जरूरी है। इक्कीसवीं सदी में भूख से लड़ाई केवल मात्रा पर नहीं, बल्कि गुणवत्ता पर भी केंद्रित होनी चाहिए। हर नागरिक को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना मानव विकास की बुनियादी जरूरत है। यदि हम पोषण-संवेदनशील कृषि में निवेश करते हैं, तो इससे शिक्षा, रोजगार और आर्थिक प्रगति पर दूरगामी एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसलिए अब जरूरी है कि हम कृषि विकास के अगले चरण में पोषक तत्त्वों से भरपूर खाद्यान्न को केंद्र में रखकर आगे बढ़ें।

हर दो मिनट में तीन मौतें, क्या भारत में कैंसर बन रहा है अगली महामारी

आज के तकनीकी दौर में बदलती जीवनशैली के साथ कैंसर का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, दुनिया में हर साल एक करोड़ से ज्यादा लोगों की मौत कैंसर से होती है। गरीब और विकासशील देशों में यह आंकड़ा सबसे ज्यादा है। भारत ने पोलियो पर नियंत्रण पाने में कामयाबी हासिल की है, लेकिन ऐसी तमाम बीमारियां हैं जो देश के लिए किसी चुनौती से कम नहीं हैं। कैंसर भी इनमें एक है। भारत में कैंसर तेजी से पैर पसार रहा है। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) का अनुमान था कि वर्ष 2025 के अंत तक हर पांच में से एक पुरुष और छह महिलाओं में से एक महिला कैंसर से पीड़ित होगी।

यह अनुमान अब वास्तविक आंकड़ों में तब्दील होता दिखाई दे रहा है। एक अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में हर दो मिनट में तीन लोगों की मौत कैंसर से होती है। ऐसे में आने वाले वक्त में हर साल बीस लाख से ज्यादा मौतें कैंसर से होने का अनुमान है। केंद्र सरकार के आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2024 में देश भर में कैंसर के पंद्रह लाख से अधिक मामले सामने आए, जबकि वर्ष 2023 में यह आंकड़ा करीब 14 लाख 96 हजार था। इसी तरह वर्ष 2022 में 14 लाख 61 हजार से ज्यादा और 2021 में 14 लाख 26 हजार से अधिक कैंसर के मामले दर्ज किए गए। यानी हर वर्ष कैंसर के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

आईएआरसी के आंकड़े बताते हैं कि भारत में कैंसर से पीड़ित पुरुषों में से 16.3 फीसदी की मौत मुंह के कैंसर से, 8 फीसदी की फेफड़े के कैंसर से और 6.8 फीसदी की पेट के कैंसर से होती है। पिछले कुछ वर्षों में पुरुषों में मुंह का कैंसर तेजी से बढ़ा है। यह तंबाकू सेवन से जुड़ा है, जबकि धूम्रपान से होने वाले कैंसर में कुछ कमी आई है। पिछले एक दशक में कैंसर से होने वाली मौतों में दोगुनी रफ्तार देखी गई है, जबकि केंद्र और राज्य सरकारें इस बीमारी को लेकर सक्रियता का दावा करती हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक, सबसे ज्यादा आबादी वाले उत्तर प्रदेश में वर्ष 2024 में दो लाख से ज्यादा कैंसर के मामले सामने आए। इसके बाद महाराष्ट्र में करीब एक लाख सत्ताईस हजार मामले दर्ज हुए। पश्चिम बंगाल में करीब एक लाख अठारह हजार, बिहार में एक लाख पंद्रह हजार, तमिलनाडु में लगभग 98 हजार और कर्नाटक में करीब 95 हजार मामले सामने आए। अन्य राज्यों में भी स्थिति चिंता पैदा करने वाली है।

देश में कैंसर उन राज्यों में अधिक तेजी से बढ़ रहा है जो आर्थिक रूप से पिछड़े माने जाते हैं। बिहार में हर साल तकरीबन एक लाख मामले सामने आते हैं। वहां तंबाकू सेवन करने वाले और मुंह के कैंसर से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक है। महिलाओं में भी कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, कर्नाटक और केरल जैसे राज्यों में भी कैंसर का प्रसार बढ़ रहा है। वैश्विक स्तर पर वर्ष 2022 में लगभग दो करोड़ नए मामले सामने आए, जिनमें से 97 लाख लोगों की मृत्यु हो गई। अनुमान है कि वर्ष 2035 तक कैंसर से मृत्यु दर में 78 फीसदी और मरीजों की संख्या में 70 फीसदी की वृद्धि हो सकती है। भारत में हर साल 10 से 14 लाख नए मामले सामने आते हैं, जिनमें से 77 फीसदी से अधिक की मौत हो जाती है।

कैंसर से बढ़ती मौतों की प्रमुख वजह समय पर पहचान न होना, स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही, जागरूकता का अभाव और समय पर इलाज न मिल पाना है। एक सर्वेक्षण में सामने आया है कि भारत में चिकित्सकों की कमी भी बड़ी वजह है। आंकड़ों के अनुसार, देश में दो हजार कैंसर मरीजों पर महज एक चिकित्सक है, जबकि अमेरिका में यह अनुपात सौ मरीजों पर एक चिकित्सक का है।

पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं में कैंसर का प्रसार तेजी से बढ़ा है। इसके प्रमुख कारणों में बदलती जीवनशैली, वंशागत जटिलताएं और गुणसूत्रों में बदलाव शामिल हैं। 'पैपिलोमा' विषाणु से ग्रीवा और गर्भाशय कैंसर का खतरा बढ़ रहा है। एचआईवी संक्रमण और 'हेलिकोबैक्टर' जीवाणु से भी कैंसर की आशंका बढ़ती है। तनाव, शारीरिक गतिविधियों का अभाव और आधुनिक खानपान भी जिम्मेदार हैं। गरीब मजदूर-किसानों में कैंसर से मौत की दर अधिक है। खासकर बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और झारखंड में खदानों, सीमेंट, पत्थर, ईंट-भट्ठों और रासायनिक संयंत्रों में काम करने वाले मजदूरों में जोखिम अधिक है।

सरकार की ओर से जागरूकता अभियान चलाए गए हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में उनका असर सीमित है। केवल आंकड़ों से जागरूकता संभव नहीं है। लोगों के मन से कैंसर का डर निकालना भी जरूरी है। एक सर्वेक्षण में पाया गया कि कैंसर की जानकारी मिलते ही व्यक्ति के मन में मौत का भय हावी हो जाता है, जिससे मानसिक और शारीरिक जटिलताएं बढ़ती हैं।

सरकारी तंत्र, गैरसरकारी संगठन और समाज को मिलकर कैंसर के खिलाफ सामूहिक प्रयास करने होंगे। डरने की बजाय डटकर मुकाबला करना होगा। नीति निर्माताओं को इस संकट को केंद्र में रखकर नई योजनाएं बनानी होंगी, तभी कैंसर की रोकथाम की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकेंगे।

हड्डियों में दर्द होना आम समस्या है। कभी यह ज्यादा चलने-फिरने, चोट लगने, कैल्शियम की कमी या बढ़ती उम्र के कारण हो सकता है। आप जानते हैं कि अक्सर नजरअंदाज किया जाने वाला ये दर्द बोन कैंसर या किसी दूसरे कैंसर का भी संकेत हो सकते हैं। विश्व कैंसर दिवस 2026 के मौके पर डॉक्टरों का कहना है कि अगर हड्डियों का दर्द लंबे समय तक बना रहे, लगातार बढ़ता जाए या फिर रात में ज्यादा परेशान करे तो आप इसे हल्के में नहीं लें। परेशानी की बात तब और ज्यादा है जब दवा का इस्तेमाल करने के बाद भी दर्द जस का तस बना रहे।

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की चर्चाः सत्य का आईना या संस्था की गरिमा पर प्रहार?

- डॉ. प्रियंका सौरभ

न्यायपालिका भारत के लोकतंत्र का संरक्षक स्तंभ है, जो संविधान की रक्षा करता है और नागरिकों को न्याय का आश्वासन देता है। लेकिन हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की कक्षा आठवीं की सोशल साइंस किताब पर सख्त रुख अपनाते हुए छपाई, वितरण और वितरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। किताब के 'हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका' अध्याय में 'न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार', लंबित मामलों की भारी संख्या, जजों की कमी और पूर्व सीजेआई बी.आर. गवई के बयानों का उल्लेख था। सीजेआई सूर्यकांत ने इसे न्यायपालिका को बदनाम करने की 'गहरी और सोची-समझी साजिश' करार दिया तथा शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी निदेशक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। विवादित अध्याय के लेखकों की पहचान, उनकी योग्यता और सिलेबस फ्रेमिंग बैठकों की कार्यवाही प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है। यह घटना न केवल शिक्षा नीति पर सवाल उठाती है, बल्कि संस्थागत गरिमा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और भ्रष्टाचार पर खुली चर्चा के बीच संतुलन की बहस को जन्म देती है। क्या स्कूली पाठ्यक्रम में ऐसी चर्चा गलत है? या यह समाज को सतर्क करने का माध्यम है?

भारतीय संविधान अनुच्छेद 19(एक) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन अनुच्छेद 19(दो) में उचित प्रतिबंध भी हैं, जिनमें न्यायालय की अवमानना शामिल है। सुप्रीम कोर्ट का कदम अवमानना अधिनियम 1971 के दायरे में आता है, जहां न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री दंडनीय है। कोर्ट ने तर्क दिया कि अध्याय चुनिंदीय (सेलेक्टिव) था–न्यायपालिका पर भ्रष्टाचार का उल्लेख तो प्रमुख था, लेकिन विधायिका या कार्यपालिका पर ऐसा कोई जिक्र नहीं। लंबित मामलों को 'मैसिव बैकलॉग' कहना और जजों की कमी को चुनौती के रूप में पेश करना संस्था को कमजोर दिखाता है। पूर्व सीजेआई गवई के बयान का संदर्भ बिना पूर्ण संदर्भ के लिया गया, जो भ्रामक था। कोर्ट ने इसे 'डीप-रूटेड कांस्पिरेसी' कहा, जो संकेत देता है कि यह केवल शैक्षणिक चूक नहीं, बल्कि सुनियोजित प्रयास हो सकता है। एनसीईआरटी द्वारा हाल में संशोधित पाठ्यक्रम में ऐसी सामग्री शामिल करना शिक्षा मंत्रालय की लापरवाही दर्शाता है। सिलेबस एक्सपर्ट कमिटी की बैठकों में पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठे हैं–क्या लेखक राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित थे? कोर्ट ने गहन जांच का भरोसा दिलाया है, जो स्वागतयोग्य है।

भ्रष्टाचार पर चर्चा लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के अनुसार, भारत का करप्शन परसेप्शन इंडेक्स 2025 में 40/100 रहा, जो न्यायपालिका सहित संस्थाओं की चुनौतियों को रेखांकित करता है। सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं ब्रह्मावर्त हॉस्टल मामले या मेडिकल एडमिशन घोटालों में भ्रष्टाचार पर तीखी टिप्पणियां की हैं। जस्टिस जे.एस. वर्मा ने कहा था कि 'ज्यूडिशियरी में भ्रष्टाचार का एक मामला भी पूरी संस्था को दागदार बनाता है।' लेकिन स्कूली किताब में इसे सामान्यीकृत कर पेश करना उचित नहीं। बच्चे 13-14 वर्ष के होते हैं–उन्हें तथ्यपरक ज्ञान दें, न कि पूर्वाग्रहपूर्ण दृष्टिकोण। अध्याय जवाबदेही, शक्तियों के पृथक्करण और सुधारों (जैसे फास्ट-ट्रैक कोर्ट, जजों की भर्ती) पर केंद्रित होता तो उपयोगी होता।

वर्तमान रूप में यह नकारात्मकता बोता है, जो युवा पीढ़ी में न्यायपालिका के प्रति अविश्वास पैदा कर सकता है। हरियाणा जैसे राज्यों में, जहां पंचायती राज मजबूत है, स्थानीय न्याय व्यवस्था पहले से जूझ रही है–ऐसी सामग्री से ग्रामीण बच्चे हतोत्साहित होंगे। एनसीईआरटी की भूमिका पर सवाल उठना स्वाभाविक है। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत पाठ्यक्रम सरलीकृत और भारतीयता-केंद्रित बनाने का लक्ष्य था, लेकिन यह विवाद उलटा असर डाल रहा है। मंत्रालय को सिलेबस फ्रेमिंग में बहुपक्षीय परामर्श अनिवार्य करना चाहिए–शिक्षाविद्, न्यायिक विशेषज्ञ, अभिभावक संगठन शामिल हों। लेखकों की योग्यता जांचे–क्या वे राजनीति विज्ञान के विशेषज्ञ हैं या सामान्य शिक्षक? कोर्ट ने डिजिटल कॉपियां भी जब्त करने को कहा, जो साइबर युग में चुनौतीपूर्ण है। लेकिन यह कदम आवश्यक था, क्योंकि गलत सूचना वायरल हो सकती थी। वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी जैसे वरिष्ठों ने कोर्ट में इसे चुनिंदीय बताया, जो बहस को मजबूत करता है। अब जांच से यदि साजिश सिद्ध हुई, तो जिम्मेदारों पर अवमानना का मुकदमा चलेगा।

यह मामला व्यापक सुधारों की मांग करता है। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार रोकने हेतु राष्ट्रीय न्यायिक आयोग (एनजेएसी) को मजबूत बनाएं, जो जजों की नियुक्ति पारदर्शी करे। ई-कोर्ट प्रोजेक्ट को तेज करें, ताकि लंबित मामले घटें–वर्तमान 5 करोड़ से अधिक हैं। जजों की संख्या बढ़ाने हेतु विधायी सहमति लें। शिक्षा में भ्रष्टाचार को नैतिकता के अध्याय में शामिल करें, न कि संस्था-विशेष पर प्रहार के रूप में। अभिव्यक्ति स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन संस्था की गरिमा सर्वोपरि। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप सही दिशा में है–यह चेतावनी है कि शिक्षा भ्रष्टाचार नहीं बोएगी।

एनसीईआरटी को पाठ्यक्रम पुनरीक्षण कर तथ्यपरक, संतुलित सामग्री सुनिश्चित करनी चाहिए। सरकारें पारदर्शिता बढ़ाएं–आरटीआई से सिलेबस प्रक्रिया खुली हो। जनता जागरूक बने, क्योंकि मजबूत न्यायपालिका ही मजबूत भारत है। यदि भ्रष्टाचार पर चर्चा सुधार लाए, तो स्वागतयोग्य; अन्यथा यह साजिश मात्र। सुप्रीम कोर्ट की जांच से सत्य सामने आएगा, और शिक्षा प्रणाली मजबूत बनेगी। लोकतंत्र में संतुलन ही सफलता की कुंजी है।

परिश्रम ही सफलता की असली कुंजीः कमांडेंट योगेश पुरोहित

थरवई। सी आर पी एफ 224 वीआईपी बटालियन परिसर में शनिवार को आयोजित स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति सम्मान समारोह गरिमा, अनुशासन और भावनाओं से सराबोर रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कमांडेंट योगेश पुरोहित ने अपने प्रेरक संबोधन से पूरे वातावरण को उत्साह और ऊर्जा से भर दिया।कमांडेंट योगेश पुरोहित ने कहा कि 'परिश्रम ही सफलता की असली कुंजी है। ईमानदारी और समर्पण के साथ किया गया कार्य व्यक्ति को न केवल लक्ष्य तक पहुंचाता है, बल्कि उसे सम्मान भी दिलाता है।' उन्होंने गर्व के साथ कहा की सीआरपीएफ ने न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। सम्मानसमारोह के दौरान कमांडेंट योगेश पुरोहित ने स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति ले रहे सभी कार्मिकों को पुष्पगुच्छ, स्मृति-चिह्न (मोमेंटो) एवं वाहिनी की कैप पहनाकर सात कार्मिकों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बीस वर्षों से अधिक समय तक निष्ठापूर्वक सेवा देने के बाद विदाई का यह क्षण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि गौरव और सम्मान का प्रतीक है।अपने संबोधन में उन्होंने सेवानिवृत्त कार्मिकों के अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और संगठन के प्रति अटूट समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सेवाएं सदैव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेंगी। साथ ही उन्होंने उपस्थित जवानों से आह्वान किया कि वे अपने वरिष्ठों के अनुभवों से सीख लेकर संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाएं।इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी तरुण कुमार, उप कमांडेंट भगत सिंह, सहायक कमांडेंट अभिषेक चौधरी, निरीक्षक कुमार कन्हैया एसएम सहित 224 वीआईपी बटालियन के समस्त अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे।

सतीश वर्मा बने 'भदोही हाफ मैराथन' के विजेता, देशभर के धावकों ने दिखाई दमखम

भदोही। युवा फ्रेन्ड फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित 12वीं "भदोही हाफ मैराथन" का भव्य शुभारंभ जंगीगंज पुलिस चौकी से हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, विधायक ज्ञानपुर विपुल दुबे, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, जिलाधिकारी शैलेश कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक, अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य व साध्वी राजलक्ष्मी मंदा ने हरी झंडी दिखाकर धावकों को रवाना किया और स्वयं भी दौड़ में सहभागिता की।

करीब 21.975 किलोमीटर लंबी इस मैराथन में देश के विभिन्न प्रांतों से आए 370 पंजीकृत धावकों ने हिस्सा लिया। नारेपार सीतामढ़ी, भदोही के एथलीट सतीश वर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया और 71 हजार रुपये का पुरस्कार जीता। वाराणसी के चंदन राजभर दूसरे (41 हजार रुपये) तथा राजस्थान के भरतपुर निवासी विक्रम सिंह तीसरे स्थान (21 हजार रुपये) पर रहे। अन्य विजेताओं को भी नकद पुरस्कार, मेडल, ट्रॉफी व शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मैराथन का समापन मूसीलाटपुर स्थित जिला स्टेडियम में हुआ, जहां जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने तिरंगा गुब्बारे और सफेद कबूतर उड़ाकर खेल भावना का संदेश दिया। पूरे रूट पर प्रशासन द्वारा सुरक्षा, स्वच्छता व पेयजल की व्यवस्था की गई थी। स्कूली छात्र-छात्राओं और जनपदवासियों ने पुष्पवर्षा कर धावकों का उत्साहवर्धन किया।

उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित यह आयोजन स्वास्थ्य, फिटनेस और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने वाला बताया गया। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने इसे युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने वाला सराहनीय प्रयास कहा।

हरिहर नाथ मंदिर में एआरपी की अहम बैठक, नई कार्यकारिणी का गठन

भदोही।हरिहर नाथ मंदिर ज्ञानपुर परिसर में शनिवार को एआरपी साथियों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य एजेंडा जनपद स्तर पर एआरपी एसोसिएशन के गठन पर विचार-विमर्श रहा। उपस्थित सदस्यों ने एआरपी से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि संगठित मंच के माध्यम से समस्याओं के समाधान हेतु जनपद में एआरपी एसोसिएशन का गठन किया जाए।

बैठक में सर्वसम्मति से मुकुल सिंह एवं डॉ. भास्करानंद मिश्र को जिला संरक्षक, देवेंद्र कुमार मिश्र को जिलाध्यक्ष, चंद्रकांत पटवा को जिला उपाध्यक्ष, अखलाक अहमद को कोषाध्यक्ष, मुकेश सिंह को मीडिया प्रभारी तथा लव कुश मिश्र 'निश्चल' को जिला महामंत्री निर्वाचित घोषित किया गया।

ब्लॉक स्तर पर भी कार्यकारिणी गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ाते हुए ज्ञानपुर ब्लॉक अध्यक्ष पद पर इबरार अहमद, सुरियावां से संतोष गौतम तथा भदोही से अखलाक अहमद को (जिला कोषाध्यक्ष के अतिरिक्त) ब्लॉक अध्यक्ष घोषित किया गया। साथ ही जिला कार्यकारिणी को ब्लॉक कार्यकारिणी के गठन के लिए अधिकृत किया गया।

बैठक का समापन संगठन की मजबूती और एआरपी साथियों के हितों की रक्षा के संकल्प के साथ हुआ।

परिश्रम ही सफलता की असली कुंजीः कमांडेंट योगेश पुरोहित

थरवई। सी आर पी एफ 224 वीआईपी बटालियन परिसर में शनिवार को आयोजित स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति सम्मान समारोह गरिमा, अनुशासन और भावनाओं से सराबोर रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कमांडेंट योगेश पुरोहित ने अपने प्रेरक संबोधन से पूरे वातावरण को उत्साह और ऊर्जा से भर दिया।कमांडेंट योगेश पुरोहित ने कहा कि 'परिश्रम ही सफलता की असली कुंजी है। ईमानदारी और समर्पण के साथ किया गया कार्य व्यक्ति को न केवल लक्ष्य तक पहुंचाता है, बल्कि उसे सम्मान भी दिलाता है।' उन्होंने गर्व के साथ कहा की सीआरपीएफ ने न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। सम्मानसमारोह के दौरान कमांडेंट योगेश पुरोहित ने स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति ले रहे सभी कार्मिकों को पुष्पगुच्छ, स्मृति-चिह्न (मोमेंटो) एवं वाहिनी की कैप पहनाकर सात कार्मिकों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बीस वर्षों से अधिक समय तक निष्ठापूर्वक सेवा देने के बाद विदाई का यह क्षण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि गौरव और सम्मान का प्रतीक है।अपने संबोधन में उन्होंने सेवानिवृत्त कार्मिकों के अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और संगठन के प्रति अटूट समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सेवाएं सदैव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेंगी। साथ ही उन्होंने उपस्थित जवानों से आह्वान किया कि वे अपने वरिष्ठों के अनुभवों से सीख लेकर संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाएं।इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी तरुण कुमार, उप कमांडेंट भगत सिंह, सहायक कमांडेंट अभिषेक चौधरी, निरीक्षक कुमार कन्हैया एसएम सहित 224 वीआईपी बटालियन के समस्त अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे

सेवानिवृत्त दो उपनिरीक्षकों को दी गई विदाई

भदोही। जनपद भदोही में तैनात दो उपनिरीक्षक अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर पुलिस लाइन ज्ञानपुर में आयोजित विदाई समारोह में क्षेत्राधिकारी पुलिस लाइन बलराम ने दोनों अधिकारियों को स्मृति चिन्ह व उपहार भेंट कर उनके सुखमय एवं समृद्ध जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त उपनिरीक्षकों में रणबहादुर सिंह तथा जटाशंकर सिंह शामिल हैं। समारोह में प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे और भावभीनी विदाई दी।

थाना समाधान दिवस पर आई 69 शिकायतों के आठ का त्वरित निस्तारण

भदोही।शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शनिवार आयोजित होने वाले 'थाना समाधान दिवस' के तहत जनपद के सभी थानों पर जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी शैलेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में फरियादियों की समस्याएं सुनी गईं और त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई के दौरान कुल 69 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें 61 मामले राजस्व विभाग से संबंधित तथा 8 मामले पुलिस विभाग से जुड़े थे। पुलिस विभाग से संबंधित सभी 8 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष राजस्व प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

जमीन से जुड़े मामलों में फरियादियों को अलग-अलग विभागों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए पुलिस व राजस्व विभाग की संयुक्त दो टीमों का गठन कर संयुक्त रूप से जांच व निस्तारण के निर्देश दिए गए।

थाना चौरी पर आयोजित समाधान दिवस में अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल, क्षेत्राधिकारी औराई, एसडीएम औराई व थाना प्रभारी सहित प्रशासनिक टीम मौजूद रही। अधिकारियों ने प्राप्त प्रार्थना पत्रों के त्वरित समाधान पर विशेष जोर दिया।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं का पारदर्शी, समयबद्ध और न्यायपूर्ण निस्तारण प्राथमिकता है, जिससे आमजन को त्वरित राहत मिल सके।

रैदापुर में ग्राम चौपाल आयोजित, किसानों की चकबंदी संबंधी समस्याओं का मौके पर निस्तारण

फूलपुर (प्रयागराज)। चकबंदी आयुक्त, उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देश पर ग्राम रैदापुर, परगना सिकंदरा, तहसील फूलपुर में किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया।

ग्राम चौपाल में ग्रामीणों एवं किसानों की चकबंदी प्रक्रिया से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। विशेष रूप से किसानों द्वारा चक आवंटन एवं मूल्यांकन संबंधी मुद्दे उठाए गए, जिन पर संबंधित अधिकारियों ने आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। कई मामलों में प्राप्त आपत्तियों की मौके पर ही सुनवाई कर निस्तारण किया गया, जबकि अन्य मामलों में नियमानुसार आपत्ति प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।कार्यक्रम में चकबंदी अधिकारी सदर प्रयागराज चंद्र प्रकाश बाजपेयी, सहायक चकबंदी अधिकारी अर्चना उपाध्याय, चकबंदी कर्ता मनोज यादव, चकबंदी लेखपाल शैलेन्द्र कुमार, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि, चकबंदी कमेटी के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनहित में त्वरित, पारदर्शी एवं न्यायसंगत कार्यवाही के लिए वह प्रतिबद्ध है और किसानों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा

जमीनी विवाद में दो पक्षों में मारपीट, चार घायल

थरवई (प्रयागराज)। थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव में जमीन विवाद को लेकर न्यायालय के आदेश पर विवादित स्थल पर कोर्ट अमीन की मौजूदगी निरीक्षण के दौरान दो पक्षों में मारपीट हो गई। घटना में दोनों ओर से चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है।जानकारी के अनुसार नारायणपुर निवासी चंद्रशेखर तिवारी और शेषनारायण तिवारी के बीच भूमि विवाद का मामला जनपद न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय के निर्देश पर कोर्ट अमीन अमित तिवारी विवादित स्थल की नाप-जोख एवं स्थिति का निरीक्षण करने गांव पहुंचे थे। शेषनारायण तिवारी अपनी बात बता चुके थे उसके बाद कोर्टअमीन चंद्रशेखर तिवारी के दरवाजे पर पहुंचे तो शेषनारायण तिवारी पक्ष के लोग चंद्रशेखर तिवारी के घर पर पहुंच कर गाली गलौज देते हुए मारपीट शुरू कर दिए आरोप है मारपीट में एक पक्ष से चंद्रशेखर तिवारी और शशांक तिवारी तथा दूसरे पक्ष से शेषनारायण तिवारी और सुरेंद्र घायल हो गए। सूचना पर पहुंचीथरवई पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया है।

ईरान में शुरू हुई जंग का प्रदेश पर पड़ेगा सीधा असर, ईद पर भारत आने वाले हजारों लोग हुए प्रभावित

लखनऊ। अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में युद्ध जैसे हालात बन गए हैं। कई देशों ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया। हालात इतने तनावपूर्ण हैं कि इजरायल, इराक, कुवैत और बहरीन ने नागरिक उड़ानों पर रोक लगा दी है, जबकि यूएई और कतर में आंशिक या अस्थायी बंदी लागू है। इसका सीधा असर उत्तर प्रदेश के 20 हजार से अधिक यात्रियों और दर्जनों ट्रैवल कंपनियों पर पड़ा है। उत्तर प्रदेश की ट्रैवल इंडस्ट्री पर फिलहाल करीब 305 करोड़ रुपये का सीधा आर्थिक असर आंका जा रहा है।

ईरान हमले से प्रभावित हुए विमान।

एफटीएल हॉलीडेज के सनी जैन के मुताबिक अकेले मार्च में पूरे यूपी से छुट्टियों के सीजन के लिए 13 हजार से ज्यादा पैकेज बुक थे। दुबई, अबू धाबी, दोहा, कुवैत सिटी और मनामा जैसे प्रमुख गंतव्यों के लिए फ्लाइट्स कैंसिल होते ही अधिकांश पैकेज निरस्त हो गए। यदि प्रति यात्री औसत खर्च 2 लाख रुपये माना जाए, तो 13,000 पैकेज रद्द होने से कुल संभावित कारोबार लगभग 260 करोड़ रुपये का ठप हो गया है। ट्रैवल ऑपरेटरों का कहना है कि इसमें होटल बुकिंग, लोकल ट्रांसफर और वीजा शुल्क का बड़ा हिस्सा फंसा हुआ है।

ट्रिपल प्लस टूर्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के नार्थ इंडिया हेड राजूराज ने बताया कि ईद की छुट्टियों में यूएई, कतर, कुवैत और बहरीन से भारी संख्या में प्रवासी उत्तर प्रदेश लौटने वाले थे। अनुमान है कि करीब 7 हजार यात्रियों की वापसी टिकटें बुक थीं। लेकिन एयरस्पेस बंद होने और उड़ानें रद्द होने से उनकी यात्रा भी अधर में लटक गई है। यदि प्रति यात्री औसत यात्रा खर्च 50 हजार रुपये माना जाए, तो यात्रियों की यात्रा अटकने से लगभग 35 करोड़ रुपये का सीधा आर्थिक प्रभाव पड़ा है।

एयरलाइंस ने रोकी सेवाएं

एयर इंडिया ने मिडिल ईस्ट के सभी गंतव्यों के लिए उड़ानें फिलहाल सस्पेंड कर दी हैं। इंडिगो ने एडवायजरी जारी कर यात्रियों से उड़ान की स्थिति जांचने को कहा है। लफ्थांसा, ब्रिटिश एयरवेज, ओमान एयर, विज एयर, एमीरेट्स और फ्लाई दुबई सहित कई कैरियर्स ने क्षेत्रीय ऑपरेशन रोक दिए हैं या रूट डायवर्ट किए हैं।

लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और नोएडा के टूर ऑपरेटरों का कहना है कि ग्राहकों को रिफंड देना, एयरलाइंस से क्लेम लेना और भविष्य की बुकिंग पर अनिश्चितता, तीनों ने कारोबार की कमर तोड़ दी है। कई छोटे ऑपरेटरों के सामने नकदी संकट खड़ा हो गया है। ट्रैवल इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का कहना है कि यदि हालात जल्द सामान्य नहीं हुए तो गर्मी की छुट्टियों का सीजन भी प्रभावित होगा और नुकसान का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

हरिहर नाथ मंदिर में एआरपी की अहम बैठक, नई कार्यकारिणी का गठन

भदोही।हरिहर नाथ मंदिर ज्ञानपुर परिसर में शनिवार को एआरपी साथियों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य एजेंडा जनपद स्तर पर एआरपी एसोसिएशन के गठन पर विचार-विमर्श रहा। उपस्थित सदस्यों ने एआरपी से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि संगठित मंच के माध्यम से समस्याओं के समाधान हेतु जनपद में एआरपी एसोसिएशन का गठन किया जाए।

बैठक में सर्वसम्मति से मुकुल सिंह एवं डॉ. भास्करानंद मिश्र को जिला संरक्षक, देवेंद्र कुमार मिश्र को जिलाध्यक्ष, चंद्रकांत पटवा को जिला उपाध्यक्ष, अखलाक अहमद को कोषाध्यक्ष, मुकेश सिंह को मीडिया प्रभारी तथा लव कुश मिश्र 'निश्चल' को जिला महामंत्री निर्वाचित घोषित किया गया।

ब्लॉक स्तर पर भी कार्यकारिणी गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ाते हुए ज्ञानपुर ब्लॉक अध्यक्ष पद पर इबरार अहमद, सुरियावां से संतोष गौतम तथा भदोही से अखलाक अहमद को (जिला कोषाध्यक्ष के अतिरिक्त) ब्लॉक अध्यक्ष घोषित किया गया। साथ ही जिला कार्यकारिणी को ब्लॉक कार्यकारिणी के गठन के लिए अधिकृत किया गया।

बैठक का समापन संगठन की मजबूती और एआरपी साथियों के हितों की रक्षा के संकल्प के साथ हुआ।

प्रदेश में समय से पहले गर्मी की आहट, वाराणसी, बांदा सहित ये रहे सबसे गर्म जिले; चेतावनी हुई जारी

लखनऊ । इस बार ग्रीष्म ऋतु में तापमान सामान्य से तीन डिग्री तक अधिक रहने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, शीत ऋतु में प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता कम रही। इसके साथ ही सामान्य से कम वर्षा होने के चलते प्रदेश में औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 1-3 डिग्री अधिक और औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 तक अधिक रहा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि वर्तमान में भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में जारी ला-निना परिस्थितयों के उत्तरोत्तर क्षीण होने की वजह से आगामी ग्रीष्म ऋतु के दौरान तटस्थ नीनो परिस्थितियों में बदलाव देखने को मिलेगा। नगण्य हिन्द महासागरीय द्विध्रुव की तटस्थ परिस्थितियों के कारण मार्च माह के दौरान प्रदेश के ज्यादातर भाग में औसत मासिक अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। इससे उष्ण लहर न चलने के बावजूद आगामी ग्रीष्म ऋतु (मार्च-अप्रैल-मई) के दौरान औसत अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

इसके दृष्टिगत ग्रीष्म ऋतु के उत्तरार्द्ध में पूर्वांचल समेत प्रदेश के तराई इलाकों में लू के दिनों की संख्या में बढ़ोतरी के भी आसार हैं। आगामी ग्रीष्म ऋतु के दौरान औसत मासिक न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की सम्भावना है।

इसी क्रम में मार्च के प्रथम सप्ताह के शुरुआती 3-4 दिनों के दौरान प्रदेश में 25-35 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज उत्तरी-पश्चिमी हवाएं चलने के असर हैं जिससे तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा।

शार्टशर्किट से लगी आग,लाखों का सामान जलकर राख,कोई जनहानि नहीं

भिवंडी के 'निलेश डाईंग' कंपनी में लगी भीषण आग 3 मंजिला इमारत व मशीनरी जलाकर खाक

अग्निशमन दल के जवानों ने 5 घंटे की अथक प्रयास के बाद आग पर पाया काबू

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के 'निलेश डाईंग' नामक यार्न कंपनी में शुक्रवार की रात अचानक आग लग गई।जिसके कारण कंपनी की तीन मंजिला इमारत मशीनरी के साथ लाखों का यार्न जलकर खाक हो गया।आग पर काबू पाने के लिए अग्निशमन दल के जवानों को पांच घंटे तक अथक प्रयास करना पड़ा।आग लगने का कारण शार्टशर्किट बताया जा रहा है।आग में किसी जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है,लेकिन इस आगजनी की घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

भिवंडी के खोखा कंपाउंड इलाके में मुंबई निवासी भरत डोंडिया व अतुल डोंडिया का 'निलेश डाईंग' कंपनी स्थित है।जहां पर कपड़ा बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के यार्नधागा रंगाई का कार्य किया जाता था शुक्रवार को दिनभर कंपनी बंद थी।रात में कंपनी चालू होने के बाद तकरीबन 11.40 बजे के बाद अचानक मशीन में लगे इलेक्ट्रिक मोटर में स्पार्क होने के कारण ऑयल के पाइप लाइन में आग पकड़ लिया और देखते ही देखते पूरी कंपनी धूं धूं कर जलने लगी।हालांकि आग लगने के बाद कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों ने आग बुझाने के प्रयास किए बिना ही अपनी जान बचाने के लिए कंपनी से बाहर भाग गए।आग के कारण कंपनी के सारे मशीन व प्रोसेस करने के लिए आया कई टन धागा जलकर खाक हो गया।आग लगने के बाद बिजली काटे जाने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।आग लगने की सूचना के बाद अग्निशमन दल की तीन गाड़ियां मौके वारदात पर पहुंच गई और पांच घंटे की अथक मेहनत के बाद आग पर तो काबू पा लिया,लेकिन इस दौरान कंपनी की तीन मंजिला बिल्डिंग व पूरी मशीनरी व कई ट्रक धागा जलकर खाक हो गया।इस आगजनी की घटना से क्षेत्र के अन्य कंपनी मालिकों में दहशत का माहौल है।फिलहाल पुलिस मामले की तहकीकात में जुट गई है।

भिवंडी में शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, आपत्तिजनक वीडियो वायरल...

आईटी एक्ट व बीएनएस के तहत मामला दर्ज, फरार आरोपी की तलाश में पुलिस

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर के शांतिनगर क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने और बाद में उसके आपत्तिजनक फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर बदनाम करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार 23 वर्षीय पीड़िता की पहचान गैबीनगर निवासी फाईक अब्दुल रऊफ पटेल (30) से हुई थी। आरोप है कि आरोपी ने युवती को शादी का झांसा देकर विश्वास में लिया और 'तुम मेरी पत्नी हो, मैं तुमसे शादी करूंगा' कहकर 22 मार्च 2023 से 3 फरवरी 2026 के बीच खंडुपाड़ा स्थित फिरदोस कॉम्प्लेक्स के एक कमरे में कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाए। शिकायत में बताया गया है कि मुलाकात के दौरान आरोपी ने दोनों के निजी फोटो अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिए और बाद में संबंध बनाने से मना करने पर उन्हें वायरल करने की धमकी देने लगा। इतना ही नहीं, आरोपी ने युवती को डराकर व्हॉट्सऐप वीडियो कॉल पर कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया तथा कॉल की स्क्रीन रिकॉर्डिंग भी कर ली। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने 12 अगस्त 2025 से 12 फरवरी 2026 के बीच उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो उसके जीमेल अकाउंट, भाई के इंस्टाग्राम आईडी, मां और मित्र के व्हॉट्सऐप नंबर सहित रिश्तेदारों और परिचितों को भेजकर उसकी सामाजिक बदनामी की।लगातार मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर युवती ने अंततः शांतिनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 64(2)(म) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(ई), 67 और 67(ए) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच पुलिस निरीक्षक (गुन्हे) अतुल अडुरकर कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित किया जा रहा है तथा फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तलाश तेज कर दी गई है।

होली पर्व के दौरान, यात्रा सुगम बनाने के लिए उत्तर रेलवे पूरी तरह तैयार: महाप्रबंधक ने नई दिल्ली और आनंद विहार स्टेशनों का निरीक्षण किया

नई दिल्ली। आगामी होली पर्व के दौरान यात्रियों की यात्रा सुगम बनाने के मद्देनजर, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार पांडे ने आज नई दिल्ली और आनंद विहार टर्मिनल रेलवे स्टेशनों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य त्योहार के दौरान भीड़ प्रबंधन, यात्री सुरक्षा और स्वच्छता के उच्च मानकों को सुनिश्चित करना था।

महाप्रबंधक के साथ दिल्ली के मंडल रेल प्रबंधक पुष्पेश रमन त्रिपाठी और उत्तर रेलवे मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने इन व्यस्त स्टेशनों की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की।

यात्रियों का फीडबैकःङ 'पहले से सुगम हुई यात्रा'

निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक ने स्टेशन परिसरों और प्लेटफार्मों पर जाकर यात्रियों से सीधा संवाद किया। यात्रियों ने होली पर्व के दौरान की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया और विशेष रूप से निम्नलिखित बिंदुओं की सराहना कीः

सुगम व्यवस्थाःङ यात्रियों ने बताया कि प्रवेश द्वारों पर सुगम आवाजाही है और टिकट काउंटरों पर कोई विशेष भीड़ नहीं दिख रही है।

व्यवस्थित होल्डिंग एरियाः

यात्रियों ने होल्डिंग एरिया (प्रतीक्षा क्षेत्रों) के प्रबंधन की प्रशंसा की, जिससे प्लेटफार्मों पर अधिक भीड़ जमा नहीं हो रही है।

स्वच्छताः भारी भीड़ के बावजूद स्टेशन परिसर में स्वच्छता के बेहतर स्तर को देखकर यात्री प्रभावित नजर आए।

सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण पर विशेष ध्यान

महाप्रबंधक ने फुट ओवर ब्रिज, एस्केलेटर और प्लेटफार्म प्रवेश द्वारों जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर कर्मचारियों की तैनाती की समीक्षा की।

'प्रत्येक यात्री की गरिमा और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है,' महाप्रबंधक ने कहा। 'होल्डिंग एरिया और प्लेटफार्मों पर भीड़ के प्रवाह की रीयल-टाइम मॉनिटरिंग करके हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि त्योहारी यात्रा यात्रियों के लिए परेशानी के बजाय आनंदमयी हो।'

फ्रंटलाइन स्टाफ का उत्साहवर्धन

बुनियादी ढांचे की समीक्षा के अलावा, महाप्रबंधक ने स्टेशन कर्मचारियों और आरपीएफ कर्मियों से संवाद किया। उन्होंने भीड़ के दौरान उन्हें सतर्क और यात्रियों के प्रति संवेदनशील रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी सक्रिय उपस्थिति ही इस त्योहारी सीजन के सफल संचालन की आधारशिला है।

अधिकारियों को निर्देश

निरीक्षण का समापन सभी रेल अधिकारियों के लिए एक स्पष्ट निर्देश के साथ हुआः निरंतर निगरानी बनाए रखें। महाप्रबंधक ने निर्देश दिया कि वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत रूप से भीड़ प्रबंधन की निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक यात्री को स्पष्ट सूचना और समय पर सहायता प्राप्त हो।

पहले मिलता था पानी, अब मिलती है लाशें

वराला देवी तालाब से बरामद हुई युवक की लाश, तालाब की सुरक्षा को लेकर प्रशासन उदासीन

तालाब से मनपा प्रशासन हर दिन करती थी 5 एमएलडी पानी सप्लाई,ट्रिब्यूनल ने लगाई रोक

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के मशहूर वराला देवी तालाब से कभी शहर में पीने के लिए रोजाना पानी की सप्लाई की जाती थी।जिससे प्रदूषण की अधिकता के कारण नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने फिलहाल पानी सप्लाई पर रोक लगा दिया है।लेकिन इस तालाब से आए दिन लाशों के मिलने का सिलसिला जारी है।तालाब से पुनः एक युवक की लाश बरामद हुई है।जिसकी शिनाख्त जहां पुलिस के लिए सिरदर्द बन गया है।वही तालाब की सुरक्षा को लेकर मनपा प्रशासन पूरी तरह उदासीन बनी हुई है।जो शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

पुलिस के अनुसार भिवंडी के वराला देवी तालाब में एक लाश के तैरने की गुप्त सूचना शुक्रवार की दोपहर में भिवंडी शहर पुलिस को मिली थी।जिसके बाद पुलिस व अग्निशमन दल के जवान मौके वारदात पर पहुंचकर एक युवक की लाश को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए आईजीएम अस्पताल में भेज दिया है।साथ ही पुलिस आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर युवक की पहचान करने में जुट गई है।फिलहाल युवक की हत्या कर शव

की शिनाख्त मिटाने के लिए तालाब में फेंका गया है अथवा युवक ने खुद तालाब में कूदकर खुदकुशी की है।इसकी जांच में पुलिस जुटी हुई है।सूत्रों की माने तो वराला देवी तालाब में हर माह किसी न किसी की लाश बरामद होती रहती है।लेकिन मामले की तह तक जाकर इसका पता लगाने के बजाय पुलिस इसे आकस्मिक मौत का केस दर्जकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल देती है।इस कारण तालाब का इस्तेमाल बेखौफ होकर हत्या और हत्महत्या के इस्तेमाल में हो रहा है।जिसके कारण तालाब में से लाशों के मिलने का सिलसिला लगातार जारी है

तालाब की सुरक्षा राम भरोसे

भिवंडी के कामतघर क्षेत्र में 130 एकड़ में वराला देवी तालाब स्थित है।जिससे प्रतिदिन 5 एमएलडी पानी रहिवासी क्षेत्रों में लोगों को पीने के लिए सप्लाई की जाती है। लेकिन उक्त तालाब का पानी विगत कई वर्षों से दूषित होने से इसका पानी हरा हो गया है। तालाब की बाउंड्री वॉल चारों तरफ टूट गई है।इतना ही नहीं तालाब की सुरक्षा के लिए मनपा प्रशासन द्वारा न तो वॉचमैन तैनाद किए गए है और न ही सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है।जिसके कारण दिनभर क्षेत्रीय परिवारों के बच्चे तालाब के पानी में नहाते, कपड़ा और बर्तन सहित गाड़ियां धोते हुए देखे जाते हैं।जिसके कारण पूरा तालाब प्रदूषित हो गया है।इस कारण वराला देवी तालाब से पेयजल आपूर्ति पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने 27 मार्च तक लगाई रोक लगा दिया है।हालांकि मनपा जलापूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर ने बताया कि केंद्र सरकार की राष्ट्रीय झील संरक्षण योजना के माध्यम से इस तालाब का पुनर्विकास व सौंदर्यीकरण के लिए 54 करोड़ रुपये का फंड भी मंजूर हुआ है।डीपीआर शासन स्तर पर प्रलंबित होने की वजह से तालाब का काम अब तक हो नहीं पाया है।जैसे ही सरकार की तरफ से फंड उपलब्ध होगा, तालाब की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए जायेगे।साथ ही इतना ही तालाब में नहाने व गाड़ियों को धोने पर प्रतिबंध लगाने के लिए चारों तरफ बैरिकेटिंग लगाया जाएगा।

रोटरी क्लब ऑफ भिवंडी सेंट्रल द्वारा विशाल नेत्र जाँच शिविर का आयोजन

130 लोगो के आंखों की हुई जांच,5 मार्च को होगा मोतियाबिंद ऑपरेशन

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मानवता की सेवा के संकल्प के साथ रोटरी क्लब ऑफ भिवंडी सेंट्रल और रोटरी क्लब ऑफ अंबरनाथ नॉर्थ के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल निःशुल्क नेत्र जाँच और मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का भव्य आयोजन किया गया।जिसे अखिल पद्मशाली समाज, सावला कंसल्टेंसी (बिपिन सावला जी), वीवीएम ग्रुप ने अपना विशेष सहयोग प्रदान किया।

उक्त शिविर का आयोजन 27 फरवरी को सुबह 10 बजे से 1 बजे के बीच पद्मनगर के पद्मशाली समाज हॉल में किया गया था।?इस शिविर के दौरान कुल 130 नागरिकों की आँखों की विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा सूक्ष्म जाँच की गई।जिसके बाद 30 जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए। रोटरी क्लब ऑफ भिवंडी सेंट्रल के पूर्व अध्यक्ष अजय नायक ने बताया कि जांच के दौरान मोतियाबिंद के शिकार मरीजों का ऑपरेशन भक्ति वेदांत हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में एँईं फंड के माध्यम से 5 मार्च को निःशुल्क किया जाएंगे। इस शिविर का संचालन पूर्व अध्यक्ष संतोष व अजय नायक 'वशिष्ठ' जी के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।जबकि शिविर को सफल बनाने रोटरी क्लब ऑफ भिवंडी सेंट्रल के सदस्य अरविंद भोईर, सतीश भोजने, महेश खड़के, नीता भोईर, पवन सिंघल, बिपिन सावला और प्रहलाद तलेले का विशेष और सक्रिय योगदान रहा। साथ ही अखिल पद्मशाली समाज के अध्यक्ष रामकृष्ण, सचिव राजू गांजेगी, कोंका मलेशम, बलराम अवधूत और समाज के अन्य सभी सदस्यों ने इस सेवा कार्य को सफल बनाने में कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग किया।

जगत में शांति का मार्ग गुरु की शिक्षाओं से ही प्राप्त हो सकता है-योगगुरु रामदेव बाबा

मुंबई। वेदवाणी और गुरुवाणी मानवता का मार्गदर्शन करने वाली हैं और आज के अस्थिर तथा संघर्षमय विश्व में शांति का मार्ग गुरु की शिक्षाओं से ही प्राप्त हो सकता है, ऐसा विश्वास योगगुरु बाबा रामदेव ने व्यक्त किया।

खारघर में आयोजित 'हिंद की चादर' कार्यक्रम में योगगुरु रामदेव ने गुरु परंपरा के त्याग, शौर्य और आध्यात्मिक विरासत का स्मरण करते हुए राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरुओं ने समाज के समक्ष महान आदर्श स्थापित किए हैं और हम उस परंपरा के उत्तराधिकारी हैं। श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ गुरु के मार्ग पर चलने का उन्होंने आह्वान किया।

अल्पसंख्यक विकास विभाग और राज्यस्तरीय समिति की ओर से खारघर में आयोजित 'हिंद की चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के 350वें शहीदी समागम कार्यक्रम में बाबा रामदेव संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जत्थेदार ज्ञानी बलदेव सिंह जी, बाबू सिंह महाराज, शरदचंद्र ढोले, बाबा रामसिंह महाराज, बाबा हरिनाम सिंह जी, ज्ञानी गुरुदयाल जी, रघुवीर बाबा, ज्ञानी हरमिंदर साहेब, प्रधान गुरुविंदर सिंह, राज्यस्तरीय समन्वय समिति के संयोजक रामेश्वर नाइक, पनवेल के विधायक प्रशांत ठाकूर, परभणी के विधायक राहुल पाटील सहित विभिन्न संत और ज्ञानी उपस्थित थे।

इस समारोह में सिख समाज के साथ बंजारा, लबाना, वारकरी, सिंधी, वाल्मीकि और उदासीन परंपरा के संत-महंत बड़ी संख्या में उपस्थित थे। यह केवल एक सभा नहीं, बल्कि गुरु परंपरा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और समाज की एकता के संकल्प को दृढ़ करने का उपक्रम है, ऐसा उल्लेख किया गया। श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहादत वर्ष के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का ऐतिहासिक महत्व है। धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा के लिए गुरु द्वारा दिया गया बलिदान अतुलनीय है और उनके त्याग के कारण ही सनातन परंपरा आज भी जीवित है। गुरु नानक देव से लेकर गुरु गोविंद सिंह महाराज तक की परंपरा शौर्य, त्याग और अध्यात्म की परंपरा रही है, ऐसा बाबा रामदेव ने स्पष्ट किया।

रामेश्वर नाइक ने बताया कि महाराष्ट्र शासन और गुरु नानक नाम संगत के संयुक्त तत्वावधान में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहादत वर्ष के अवसर पर राज्यभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 7 दिसंबर को नागपुर में विदर्भ और छत्तीसगढ़ की संगत की उपस्थिति में शहीदी समारोह आयोजित हुआ। इसके बाद 24 और 25 जनवरी को नांदेड स्थित तख्त श्री हजूर साहिब में मराठवाड़ा, उत्तर महाराष्ट्र, पश्चिम महाराष्ट्र तथा आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के श्रद्धालुओं की सहभागिता से कार्यक्रम संपन्न हुआ। 28 फरवरी और 1 मार्च को कोंकण क्षेत्र सहित राज्यभर तथा देश-विदेश से आए श्रद्धालु इस ऐतिहासिक समारोह में भाग ले रहे हैं। विभिन्न समाज घटकों, उदासीन संप्रदाय और वारकरी परंपरा के भक्तों ने एकत्र होकर धार्मिक एकता का संदेश दिया। सिख गुरु तेग बहादुर के बलिदान की गाथा का उल्लेख करते हुए उनके शौर्य और धर्म की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च त्याग को स्मरण किया गया। कश्मीरी पंडितों की रक्षा के लिए दी गई उनकी शहादत मानवता के इतिहास की अद्वितीय घटना है, ऐसा श्री नाइक ने कहा। इस अवसर पर राज्य शासन की ओर से शैक्षणिक संस्थाओं, ग्राम सभाओं और विभिन्न उपक्रमों के माध्यम से गुरु का इतिहास जनसामान्य तक पहुंचाने का कार्य मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा किए जाने की जानकारी भी दी गई।

श्री रामराव महाराज ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा गुरु गोविंद सिंह महाराज का इतिहास घर-घर तक पहुंचाने के लिए कृतज्ञता व्यक्त की।

इस अवसर पर भगवान संत सेवालाल महाराज के कार्यों का भी गौरव किया गया। उन्होंने देशभर में भ्रमण कर समाज जागरण किया तथा व्यापार और संगठन के माध्यम से बंजारा समाज को सशक्त बनाया।

कार्यक्रम में उपस्थित संतों और गुरुओं का सम्मान किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी के इज़राइल दौरे पर ओवैसी का तंज, तटस्थता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को कहा कि तेहरान पर तेल अवीव द्वारा हमले से कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इज़राइल यात्रा ने 'बहुत गलत संदेश' दिया है। उन्होंने कहा कि भारत इस संघर्ष में हमेशा तटस्थ रहा है और प्रधानमंत्री को देश की 80 वर्ष पुरानी तटस्थता की नीति को याद रखना चाहिए।

ओवैसी ने आरोप लगाया कि इज़राइल ने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का उपयोग यह संदेश देने के लिए किया कि भारत उसके साथ खड़ा है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मामले में अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की।

पत्रकारों से बातचीत में ओवैसी ने कहा कि खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय नागरिक रहते हैं। प्रधानमंत्री की यात्रा समाप्त होते ही इज़राइल द्वारा ईरान पर हमला किए जाने से उन देशों के नागरिकों को क्या संदेश जाएगा? उन्होंने कहा कि बहरीन और कतर पर हमले हुए हैं और सऊदी अरब पर भी हमला हो सकता है। भारत हमेशा तटस्थ रहा है, ऐसे में सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि देश की तटस्थता की परंपरा का क्या हुआ।

ओवैसी ने आगे कहा कि इन सवालों का जवाब प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी को देना होगा। उनके अनुसार, इज़राइल ने प्रधानमंत्री की यात्रा का उपयोग हमला करने और दुनिया को यह बताने के लिए किया कि भारत उसके साथ है। उन्होंने इसे 'विश्वासघात' बताया।

उन्होंने यह भी प्रश्न उठाया कि क्या प्रधानमंत्री को इस हमले की पूर्व सूचना थी। यदि नहीं, तो उनके अनुसार इज़राइल ने भारत को 'धोखा' दिया और प्रधानमंत्री की यात्रा का उपयोग ईरान पर हमला करने के लिए किया।

ओवैसी ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री का विमान उस समय आकाश में होता और ऐसा हमला होता, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेता? उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री देश को बताएं कि क्या इज़राइल के प्रधानमंत्री ने उन्हें पहले से सूचित किया था। यदि सूचना दी गई थी, तो उन्हें अपनी यात्रा तुरंत समाप्त कर लौट आना चाहिए था।

ओवैसी ने यह भी आरोप लगाया कि इज़राइल ने अमेरिका के सहयोग से ईरान पर हमला किया और प्रधानमंत्री की यात्रा का उपयोग गाज़ा में फिलिस्तीनियों पर हो रही कार्रवाई से ध्यान हटाने के लिए किया। उनके अनुसार, इससे यह संदेश जाएगा कि भारत इज़राइल के साथ है, ईरान के साथ नहीं। उन्होंने सवाल उठाया कि इस हमले से भारत को क्या लाभ हो रहा है।

मनोरंजन

विजय देवरकोंडा ने पीएम मोदी के लिखे खत को बताया सबसे प्यारा, साझा कीं शादी से पहले हुई मुलाकात से जुड़ी यादें

नई दिल्ली। अभिनेता विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना अब पति-पत्नी बन चुके हैं। हालांकि, अपनी शादी से कुछ दिन पहले ये जोड़ा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शादी का निमंत्रण देने पहुंचा था। अब विजय ने उस पल को याद करते हुए अपने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें अपलोड करते हुए अपनी भावनाएं साझा कीं।

प्रधानमंत्री मोदी का आशीर्वाद लेने पहुंचे था कपल

विजय ने जो तस्वीरें साझा कीं उसमें विजय और रश्मिका, पीएम मोदी के ऑफिस में उनसे मुलाकात करते दिख रहे हैं। कपल यहां पीएम को शादी का निमंत्रण देने और आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। एक तस्वीर में विजय-रश्मिका पीएम को उपहार स्वरूप शॉल देते नजर आ रहे हैं।

अपनी पोस्ट में विजय ने क्या लिखा?

इन तस्वीरों को साझा करते हुए एक्टर ने लिखा, 'कुछ दिन पहले हम माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिले। हमने भारत के इतिहास और कहानियों के बारे में बात करते हुए अच्छा समय बिताया और उन्होंने मेरे माता-पिता को एक प्यारा पत्र भी लिखा।' विजय ने इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी का शुक्रिया भी किया।

रश्मिका के हाथ में पासपोर्ट पर सबकी नजर

वहीं विजय ने जो तस्वीरें साझा की हैं इसमें से एक तस्वीर में रश्मिका के हाथ में पासपोर्ट नजर आ रहा है। इसे देखकर कई यूजर्स ने सवाल किए हैं कि पीएम मोदी से मुलाकात के वक्त रश्मिका के हाथ में पासपोर्ट क्या कर रहा है? अब इसका कोई सटीक जवाब तो किसी को नहीं पता पर कुछ यूजर्स ने अनुमान लगाया है कि वो पीएम से मुलाकात करते वक्त पहचान पत्र के तौर पर पासपोर्ट साथ ले गई हों।

जल्द 'रणबाली' में साथ दिखेंगे दोनों

विजय और रश्मिका ने बीते 26 फरवरी को उदयपुर के होटल मोमेंटोस एकाया में तेलुगु-कोडवा रीति-रिवाज से शादी की। कपल ने देर रात शादी की तस्वीरें साझा कीं जो अब तक की इंटरनेट पर सबसे ज्यादा लाइक पाने वाली तस्वीरें बन चुकी हैं।

इसी बीच शनिवार को दोनों की अगली फिल्म 'रणबाली' के मेकर्स ने एक स्पेशल वीडियो भी साझा किया। यह विजय और रश्मिका की साथ में तीसरी और शादी के बाद पहली फिल्म होगी।

फिल्म 'जय हिंद जय सिंध' में महेश मांजरेकर आएंगे नजर, रंगमंच पर भी करेंगे कई साल बाद वापसी

मुंबई। बड़े पर्दे पर अभिनय और निर्देशन करने के अलावा महेश मांजरेकर की रंगमंच की दुनिया में भी सक्रिय रहे हैं। एक बार फिर से वह थिएटर निर्माता अश्विन गिडवानी के साथ काम कर रहे हैं। इस बार एक हिंदी नाटक 'एनिमल' के साथ महेश रंगमंच पर वापसी कर रहे हैं। कई साल बाद दोनों साथ काम कर रहे हैं, इससे पहले दोनों नए नाटक 'डबल डील' किया था।

महेश मांजरेकर ने संभाली दोहरी भूमिका

हिंदी नाटक 'एनिमल' का निर्देशन महेश मांजरेकर ने किया है। साथ ही वह इसमें मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। अपने किरदार के बारे में महेश मांजरेकर कहते हैं, 'मेरा किरदार दत्तू कोई हीरो नहीं है। वह असाधारण भी नहीं है। वह मिट्टी से जुड़ा एक साधारण आदमी है, जो सपनों से भरा सूटकेस और भूख से भरा पेट लेकर मुंबई आता है। मैंने ऐसे हजारों लोगों को देखा है। कुछ ही सितारे बनते हैं। अधिकतर परछाइयां बन जाते हैं। मुझे इस किरदार की मासूमियत ने खींचा।' इस किरदार के जरिए महेश झकझोर देनी वाली कहानी दर्शकों को सुनाएंगे। इस नाटक का प्रीमियर शनिवार, 7 मार्च को मुंबई के टाटा थिएटर, एनसीपीए में होगा।

फिल्म 'जय हिंद जय सिंध' में भी नजर आएंगे महेश मांजरेकर

रंगमंच के अलावा महेश मांजरेकर फिल्मों में भी सक्रिय हैं। वह एक फिल्म 'जय हिंद जय सिंध' में नजर आएंगे। हाल ही में इस फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज हुआ है। इस फिल्म में जया प्रधा, जरीना वहाब, विक्रम कोचर, उपासना सिंह, अमित बहल जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। फिल्म को इंद्रजीत लंकेश के डायरेक्ट किया है।

राहुल गांधी ने नॉर्थ ईस्ट म्यूजिक फेस्टिवल का अनुभव किया साझा, बोले- म्यूजिक से एकता को बढ़ावा मिलता है

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित नॉर्थ ईस्ट म्यूजिक फेस्टिवल में राहुल गांधी भी शामिल हुए। कई कलाकारों और आम लोगों से उन्होंने बात की। सोशल मीडिया पर इस म्यूजिक फेस्टिवल और वहां जो अनुभव उन्हें हुए, उसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। इस म्यूजिक फेस्टिवल का अनुभव उनके लिए काफी यादगार रहा है।

एकता और विरासत को बढ़ाता है म्यूजिक

राहुल गांधी ने इस म्यूजिक फेस्टिवल से जुड़े कई वीडियो इंस्टाग्राम पेज पर साझा किए है। वह बताते हैं कि नॉर्थ ईस्ट म्यूजिक फेस्टिवल साउंड विदाउट कॉन्फ्लिक्ट उनके लिए एक कभी ना भूलने वाली शाम रही है। राहुल गांधी ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'रेवबेन माशांगवा की लोक धुनों और बोरकुंग ह्वांगखॉल की रैप-रॉक एनर्जी से लेकर टेटसेओ सिस्टर्स की हारमनी और ताबा चाके की दिल को छू लेने वाली धुनों तक, हर परफॉर्मेंस परंपरा और क्रिएटिविटी से भरपूर थी।'

कलाकारों की कहानियों को सुना

इस म्यूजिक फेस्टिवल के बाद राहुल गांधी कलाकारों से मिले, उनकी कहानियां सुनी। इस बातचीत के बारे में उन्होंने कहा कि लोगों का जोश याद दिलाता है कि संगीत और संस्कृति हमें एक देश के तौर पर कितनी गहराई से जोड़ती है। वह कहते हैं, 'यह शाम नॉर्थ ईस्ट और इसके लोगों, कल्चर, इतिहास और आवाजों का जश्न मनाने के बारे में थी। नॉर्थ ईस्ट, भारत की कुछ सबसे समृद्ध परंपराओं, सबसे गहरी क्रिएटिविटी और सबसे ज्यादा प्रेरणा देने वाले कल्चरल कॉन्फिडेंस को दिखाता है। हमारी राष्ट्रीय पहचान को गहरे तरीकों से आकार देता है।'

वह आगे कहते हैं, 'जब हम सच में एक-दूसरे की बात सुनते हैं। अपने मतभेदों का सम्मान के साथ जश्न मनाते हैं, तो हम उस एकता को मजबूत करते हैं, जो हमें एक देश के रूप में बांधती है।'

साहिबजादा फरहान ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी, पाकिस्तान ने टी20 विश्वकप में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया

पल्लेकेले। सेमीफाइनल के लिए आखिरी बार जोर लगाने उतरी पाकिस्तान टीम ने दमदार प्रदर्शन किया। इस मैच में टीम ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 212 रन बनाकर इतिहास रच दिया। यह उनका टी20 विश्व कप में सबसे बड़ा स्कोर है। श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने भी विस्फोटक पारी खेलकर रिकॉर्ड्स की झड़ियां लगा दीं।

फरहान और फखर की रिकॉर्ड साझेदारी

इस मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पाकिस्तान को बल्लेबाजी का न्योता दिया। साहिबजादा फरहान और फखर जमां ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाते हुए रिकॉर्ड 176 रनों की साझेदारी निभाई। दोनों के बीच हुई यह साझेदारी पाकिस्तान के लिए श्रीलंका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे बड़ी है। इस दौरान साहिबजादा फरहान ने 59 गेंदों में अपना शतक पूरा किया।

साहिबजादा का ऐतिहासिक शतक

फरहान टी20 विश्व कप के एक संस्करण में दो शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले उन्होंने नामीबिया के खिलाफ 100 रनों की नाबाद पारी खेली थी। वहीं, टी20 विश्व कप में दो शतक जड़ने वाले वह दूसरे बल्लेबाज बन गए। इससे पहले क्रिस गेल ने वैश्विक टूर्नामेंट में शतक जड़ा था। दिलचस्प बात यह है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड बाबर आजम के नाम दर्ज है। उन्होंने इस प्रारूप में तीन सैकड़े ठोके हैं।

साहिबजादा फरहान टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज भी बन गए। इससे पहले 2014 में अहम शहजाद ने बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में 111 रनों की नाबाद पारी खेली थी। वहीं, फरहान एक टी20 विश्व कप संस्करण में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज भी बन गए। उन्होंने अब तक टी20 विश्व कप 2026 में 18 छक्के लगाए हैं। शिमरोन हेटमायर ने मौजूदा टूर्नामेंट में 17 छक्के लगाए हैं।

पाकिस्तान का टी20 विश्व कप में सबसे बड़ा स्कोर

फरहान के बाद फखर जमां ने 42 गेंदों में 84 रनों की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से नौ चौके और चार छक्के निकले। इस मैच में पाकिस्तान ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 212 रन बनाए, जो उनका टी20 विश्व कप में सर्वाधिक स्कोर है। इससे पहले टीम ने 2016 में बांग्लादेश के खिलाफ 201/5 का स्कोर बनाया था। श्रीलंका के खिलाफ बनाया गया यह स्कोर टी20 अंतरराष्ट्रीय में पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर भी है। इससे पहले टीम ने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ छह विकेट पर 232 रन बनाए थे।

किस तरह फोरेस्ट के खिलाफ गुकेश ने गंवाई बाजी? पहली जीत की तलाश जारी; अरविंद ने खेला ड्रॉ

नई दिल्ली। विश्व चैंपियन डी गुकेश को प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के तीसरे दौर में नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट से हार का सामना करना पड़ा, जबकि अरविंद चिदंबरम ने ईरान के परहम मगसूदलू के साथ ड्रॉ खेला। टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत की तलाश में लगे गुकेश ने वैन फोरेस्ट के खिलाफ शुरू से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। वह मैच में किसी भी समय अपनी पकड़ नहीं बना पाए।

फिर संयुक्त बढ़त पर पहुंचे फोरेस्ट

फोरेस्ट ने सफेद मोहरों से खेलते हुए रूय लोपेज शैली का इस्तेमाल किया और टार्टाकोवर वेरिएशन में बिशप की जोड़ी के साथ शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। इससे भारतीय खिलाड़ी दबाव में आ गया और उन्हें अपना एक मोहरा गंवाना पड़ा। तकनीकी पेचीदगियां तो बनी रहीं, लेकिन तब तक फोरेस्ट जीत की स्थिति में नहीं दिख रहे थे। रानी के आदान-प्रदान के बाद गुकेश की स्थिति खराब हो गई और फोरेस्ट ने 48 चाल में जीत हासिल की। इस जीत से फोरेस्ट ने फिर से संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है। वह इस प्रतियोगिता में एकमात्र खिलाड़ी हैं जिनके तीनों मैच को निर्णय निकला।

छह दौर का खेल होना शेष

फोरेस्ट के दो अंक हैं और वह उज्बेकिस्तान की जोड़ी नोदिरबेक याकुबोए और नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव तथा स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। 10 खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे हैं इस टूर्नामेंट में अभी छह दौर का खेल होना बाकी है। गुकेश, जर्मनी के शीर्ष वरीयता प्राप्त विन्सेंट कीमर, अमेरिका के हैंस मोके नीमन और मगसूदलू सातवें स्थान पर हैं। इन सभी ने अपने तीन मैचों में एक-एक अंक हासिल किया है। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे दूसरे भारतीय खिलाड़ी अरविंद ने मगसूदलू के साथ ड्रॉ खेला और अपने अंकों की संख्या 1.5 तक पहुंचा दी। स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो के भी इतने ही अंक हैं।

चैलेंजर्स वर्ग में खेल रहे भारत के दोनों खिलाड़ियों दिव्या देशमुख और सूर्या शेखर गांगुली को हार का सामना करना पड़ा। महिला विश्व कप विजेता दिव्या चीन की जिनेर झू के खिलाफ काले मोहरों से खेलते हुए हार गईं, जबकि गांगुली को चेक गणराज्य के जैचिम नेमेक ने हराया।

भारतीय घरेलू क्रिकेट में बदलाव की आहट, टी20 से रणजी तक नया इतिहास; 2025-26 सत्र बना यादगार

नई दिल्ली। भारतीय घरेलू क्रिकेट का 2025-26 सत्र इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया। इस बार तीनों घरेलू टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी में देश को नए चैंपियन मिले। टी20 में झारखंड, वनडे में विदर्भ और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में जम्मू-कश्मीर ने पहली बार खिताब जीतकर यह साबित कर दिया कि भारतीय घरेलू क्रिकेट में अब नई ताकतें उभर रही हैं।

पहली बार झारखंड बना विजेता

टी20 प्रारूप में झारखंड ने ईशान किशन की कप्तानी में कमाल कर दिया। फाइनल में हरियाणा के खिलाफ टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 262 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। ईशान किशन ने 49 गेंदों पर 101 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि कुमार कुशाग्र ने 81 रन बनाए। दोनों के बीच 177 रन की साझेदारी ने मैच का रुख पूरी तरह झारखंड की ओर मोड़ दिया। जवाब में 263 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा की टीम शुरुआत से ही दबाव में दिखी और 193 रन पर सिमट गई। झारखंड ने 69 रन से जीत दर्ज कर पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

विदर्भ ने पहली बार जीता खिताब विजय हजारे का खिताब

वनडे में विदर्भ ने भी इतिहास रचा। विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 317 रन बनाए। अथर्व तायडे ने 128 रन की शानदार शतकीय पारी खेली और यश राठौड़ ने उनका अच्छा साथ दिया। बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए सौराष्ट्र की टीम ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन विदर्भ की सधी हुई गेंदबाजी के आगे 279 रन पर रुक गई। 38 रन की जीत के साथ विदर्भ ने पहली बार यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया।

संघर्ष से शिखर तकः कमजोर मानी जाने वाली जम्मू-कश्मीर टीम ने कैसे रचा इतिहास? बनी रणजी ट्रॉफी की नई चैंपियन

हुबली। रणजी ट्रॉफी के इतिहास में इस बार एक नया अध्याय जुड़ा, जब जम्मू-कश्मीर ने तमाम संघर्षों और उतार-चढ़ावों को पीछे छोड़ते हुए पहली बार खिताब अपने नाम किया। यह जीत सिर्फ एक ट्रॉफी भर नहीं, बल्कि दशकों की मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास का परिणाम है।

संघर्ष से शिखर तक का सफर

जम्मू-कश्मीर ने 1959-60 सत्र में रणजी ट्रॉफी में पहली बार हिस्सा लिया था। शुरुआती वर्षों में टीम को कभी भी मजबूत दावेदार नहीं माना गया। इस सत्र से पहले उसने 334 मुकाबले खेले थे, जिनमें से केवल 45 में जीत दर्ज की थी। अपनी पहली जीत हासिल करने में उसे 44 साल लग गए 1982-83 में सेना के खिलाफ मिली वह जीत टीम के लिए ऐतिहासिक थी।

लंबे समय तक जम्मू-कश्मीर को अपेक्षाकृत कमजोर टीम माना जाता रहा। 90 के दशक में कई बड़ी टीमें उसके खिलाफ मुकाबले को आसान मानती थीं। दिल्ली के कुछ पूर्व खिलाड़ियों के संस्मरण इस बात की गवाही देते हैं कि उस दौर में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ मैच को रन बनाने का सुनहरा मौका समझा जाता था। दिग्गज बल्लेबाजों की मौजूदगी ही उसके खिलाड़ियों के लिए दबाव का कारण बन जाती थी। लेकिन समय बदला, सोच बदली और टीम की मानसिकता भी बदली।

पहली बड़ी आहट

2013-14 सत्र में जम्मू-कश्मीर ने नेट रन रेट के आधार पर गोवा को पीछे छोड़ते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह उपलब्धि टीम के आत्मविश्वास को नई दिशा देने वाली साबित हुई। इसके बाद 2015-16 में कप्तान परवेज रसूल की अगुवाई में टीम ने वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई को हराकर सनसनी फैला दी। वह जीत जम्मू-कश्मीर के क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी जीतों में से एक मानी गई।

दिल्ली का योगदान और बदलाव की बुनियाद

जम्मू-कश्मीर के इस उत्थान में दिल्ली के क्रिकेट जगत का योगदान महत्वपूर्ण रहा। पूर्व भारतीय कप्तान बिशन सिंह बेदी का कोच के रूप में टीम से जुड़ना एक निर्णायक मोड़ साबित हुआ। उन्होंने खिलाड़ियों में यह विश्वास भरा कि वे सिर्फ भाग लेने के लिए नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धा करने और जीतने के लिए मैदान में उतरते हैं। चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और अनुशासन लाने की उनकी कोशिशों ने टीम की बुनियाद मजबूत की।

इसके बाद संजय शर्मा जैसे पूर्व खिलाड़ियों ने भी कोचिंग के जरिए टीम को दिशा दी। लेकिन असली संरचनात्मक बदलाव तब आया जब जम्मू के मूल निवासी मिथुन मन्हास को जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ की जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने प्रशासनिक सुधारों के जरिए टीम के भीतर स्थिरता और पेशेवर माहौल तैयार किया। मन्हास का सबसे अहम निर्णय था अजय शर्मा को मुख्य कोच नियुक्त करना। अजय शर्मा ने कप्तान पारस डोगरा के साथ मिलकर टीम में आक्रामकता, आत्मविश्वास और जीतने की संस्कृति विकसित की। दिल्ली की प्रतिस्पर्धी मानसिकता और अनुशासन को जम्मू-कश्मीर की नई पीढ़ी ने आत्मसात किया।

ऐतिहासिक फाइनल और खिताबी जीत

फाइनल में जम्मू-कश्मीर का मुकाबला कर्नाटक क्रिकेट टीम से था। पहली पारी में 291 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर टीम ने मैच पर पकड़ मजबूत कर ली। पांचवें दिन दूसरी पारी में चार विकेट पर 342 रन बनाकर कुल बढ़त 633 रन तक पहुंचा दी गई। इसके बाद कप्तान पारस डोगरा ने पारी घोषित की और मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ, लेकिन पहली पारी की बढ़त के आधार पर जम्मू-कश्मीर ने खिताब अपने नाम कर लिया।

लवलीना और निकहत की अगुआई में उतरेगा भारत, एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए टीम घोषित

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत की 20 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगी। भारत ने एक महीने तक चली गहन मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद 20 सदस्यीय टीम का चयन किया है। जनवरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद संभावित खिलाड़ियों को पटियाला में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया था।

राष्ट्रमंडल खेल और एशियाड के लिए अहम है टूर्नामेंट

चयन नीति के अनुसार एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए चुना जाएगा। इससे इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप का महत्व बढ़ गया है। स्पेन में हाल ही में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली लवलीना (75 किग्रा) महिला टीम की अगुआई करेंगी। स्पेन में स्वर्ण पदक जीतने वाली अन्य खिलाड़ियों प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और प्रिया (60 किग्रा) को भी टीम में शामिल किया गया है। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मीन (57 किग्रा) भी टीम में शामिल हैं। महिला वर्ग में अन्य खिलाड़ियों में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता निकहत जरीन (51 किग्रा), अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80 किग्रा से अधिक) को टीम में जगह दी गई है।

पुरुषों के वर्ग में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल और बॉक्सम चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता सचिन (60 किग्रा) टीम की अगुआई करेंगे। उनके साथ आकाश (75 किग्रा) भी शामिल हैं, जिन्होंने स्पेन में स्वर्ण पदक जीता था। विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा), आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा), लोकेश (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा) और नरेंद्र (90 किग्रा से अधिक) टीम में शामिल अन्य खिलाड़ी हैं।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीमः

पुरुषः विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा), जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा), आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा), दीपक (70 किग्रा), आकाश (75 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा), लोकेश (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा), नरेंद्र (90 किग्रा से अधिक)।

महिलाः मिनाक्षी (48 किग्रा), निकहत ज़रीन (51 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), जैस्मिन (57 किग्रा), प्रिया (60 किग्रा), अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा), अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80 से अधिक किग्रा)।

शुद्ध खाएँ स्वस्थ रहें - होली मनाएँ मस्त रहें - डॉ जी एस तोमर

प्रयागराज। ई-पहल द्वारा नावार्ड एवं एस एम सहगल फाउंडेशन के सहयोग से हिन्दुस्तानी अकादमी में खोआ मेला-2026 का आयोजन किया । जिसका उद्घाटन विश्व आयुर्वेद मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ख्याति लब्ध आयुर्वेद चिकित्सक डॉ जी एस तोमर ने किया । प्रतिवर्ष की भांति यह मेला 28 फ़रवरी से 2 मार्च तक प्रातः 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक रहेगा । इस मेले में महिला स्वयं सहायता समूहों एवं कृषक उत्पादक संगठनों द्वारा उत्पादित दुग्ध से निर्मित कढ़ाई का शुद्ध एवं ताज़ा खोआ एवं महिला समूह द्वारा उत्पादित होली त्यौहार से सम्बन्धित उत्पाद जैसे गुझिया, पापड़, चिप्स, नमकीन, मिलेट के उत्पाद एवं हर्बल रंग उपलब्ध रहेंगे । इसके अलावा यहाँ काला चावल, काला गेहूं, ज्वार, बाजरा, सांवा, कोदों, रागी, मक्का, चना एवं जौ का आटा, घर के पिसे मसाले, अचार, मुरब्बा,बड़ी, बेसन, दलिया एवं शुद्ध शहद भी उपलब्ध रहेगा । डॉ तोमर ने बताया कि खाद्य पदार्थों की मिलावट से अनेक गम्भीर रोग पैदा हो सकते हैं । आयुर्वेद का मानना है कि हमारे शरीर का निर्माण आहार से होता है तथा अशुद्ध एवं मिलावटी आहार रोगों का कारण भी होता है । अतः हमें हितकर और अहितकर आहार का विचार करके ही प्रयोग करना चाहिये । होली-दीवाली जैसे त्योहारों पर मिठाइयों की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिये मिलावट खोरी का बाज़ार गर्म हो जाता है । इस मिलावटी खोआ, पनीर, मावा, दूध, दही एवं घी से आए दिन नौनिहाल बच्चों से लेकर सभी का स्वास्थ्य खऱाब हो रहा है । उन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए ई-पहल एवं उसकी सहयोगी संस्थाओं का धन्यवाद किया । स्वास्थ्य से बढ़कर कोई धन नहीं इसीलिए कहा भी गया है 'उत्तम सुख है निर्मल काया'। उन्होंने कहा कि स्वस्थ भारत ही सुविकसित एवं समृद्ध भारत की आधारशिला है । अतः ई-पहल का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है । उद्घाटन सत्र में ई-पहल के डायरेक्टर श्री गोपाल कृष्ण, नावार्ड डीडीएम अनिल शर्मा, सहगल फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर कौशिक सिंह, डायरेक्टर वात्सल्य हॉस्पिटल डॉ कृतिका अग्रवाल,, श्री अशोक जैन, प्रगतिशील किसान श्री बी डी सिंह, एफ़पीओ प्रतिनिधि अनिल सिंह, सुदर्शन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के डायरेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने भी अपने विचार साझा किए ।

ईरान की अमेरिका-इज़राइल को खुली चेतावनी

अभी तो बस मिसाइल दागी है, ऐसे-ऐसे हथियार छोड़ेंगे जो पहले कभी नहीं देखे गए – ईरान की अमेरिका और इज़राइल को खुली धमकी

तेहरान। तेहरान जिसने अमेरिका के नेतृत्व वाले हमलों का करारा जवाब देने का वादा किया था। मध्य पूर्व के कई देशों ने अपना वायु क्षेत्र बंद कर दिया है, जबकि अनेक देशों ने अपने नागरिकों के लिए परामर्श जारी किए हैं।

अमेरिका और इज़राइल ने शनिवार को ईरान पर हमले किए, जिससे मध्य पूर्व में सैन्य तनाव और बढ़ गया, जो कई सप्ताह से संघर्ष की कगार पर था। इज़राइल ने कहा कि अमेरिका के नेतृत्व वाले अभियान, जिसे 'एपिक फ्यूरी' नाम दिया गया है, के तहत पहले भी हमले किए गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'बड़े सैन्य अभियान' की पुष्टि की, क्योंकि ईरान के कई हिस्सों में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं।

तेहरान ने अमेरिका के नेतृत्व वाले हमलों का सख्त जवाब देने का संकल्प व्यक्त किया है। मध्य पूर्व के देशों ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, जबकि कई देशों ने अपने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह जारी की है।

चाबहार में धमाका

ईरान के दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चाबहार में भी एक विस्फोट की सूचना मिली है। ईरान के सरकारी मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। हताहतों या विस्फोट के कारण के बारे में तत्काल कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हुई है। अधिकारियों ने अभी तक घटना का आधिकारिक आकलन जारी नहीं किया

है। चाबहार बंदरगाह भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह नई दिल्ली को पाकिस्तान पर निर्भर हुए बिना अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंचने का एक विशेष मार्ग प्रदान करता है। इसकी महत्ता मुख्य रूप से पहुंच, भू-राजनीति और व्यापार से जुड़ी है।

ईरान का बयान – 'अब तक केवल पुरानी मिसाइलें दागी'

ईरान ने शनिवार को कहा कि उसने अब तक केवल अपनी पुरानी मिसाइलों का उपयोग किया है और जल्द ही ऐसे हथियारों का प्रदर्शन करेगा जिनकी दुश्मनों को उम्मीद भी नहीं होगी।

ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर जबारी के हवाले से ईरानी मीडिया ने बताया, 'तेहरान ने अब तक केवल पुरानी मिसाइलें दागी हैं। वह जल्द ही ऐसे अप्रत्याशित हथियार दिखाएगा, जिनकी किसी ने कल्पना नहीं की होगी।'

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि ईरान के भीतर अमेरिका-इज़राइल के संयुक्त सैन्य हमलों के बाद उनकी सबसे बड़ी चिंता ईरानी जनता के लिए 'आज़ादी' सुनिश्चित करना है।

एक वीडियो संदेश में बड़े सैन्य अभियान की घोषणा के तुरंत बाद ट्रंप ने वॉशिंगटन पोस्ट को एक संक्षिप्त दूरभाष साक्षात्कार में कहा, 'मुझे केवल लोगों के लिए आज़ादी चाहिए।

8 देशों पर भीषण हमला, ईरान ने एक साथ दागीं 400 मिसाइलें

संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल की संयुक्त सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान ने कथित रूप से 8 देशों में स्थित ठिकानों पर एक साथ लगभग 400 मिसाइलें दागीं। बहरीन के ज़ुफ़ेयर क्षेत्र में, जहाँ संयुक्त राज्य अमेरिका का पांचवां बेड़ा नौसैनिक अड्डा स्थित है, घना धुआं देखा गया।

बहरीन ने पुष्टि की है कि संयुक्त राज्य अमेरिका की नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय को मिसाइल हमले में निशाना बनाया गया। सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, कुवैत में अली अल-सलेम वायु अड्डे और अबू धाबी में अल धाफरा वायु अड्डे पर भी हमलों की सूचना मिली है।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, कुवैत के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा है कि ईरानी हमलों के बाद कुवैत अपनी रक्षा करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स का दावा

ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने शनिवार को कहा कि ईरानी मिसाइल हमलों ने क्षेत्र में सभी इज़राइली और अमेरिकी अड्डों को निशाना बनाया है। एक बयान में गार्ड्स ने कहा कि अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक दुश्मन 'पूरी तरह पराजित नहीं हो जाता।'

'ऐतिहासिक सबक' देने की चेतावनी

ईरान की सेना ने कहा कि वह अपने शहरों पर हुए हमलों के बाद इज़राइल और अमेरिका को 'ऐतिहासिक सबक' सिखाएगी। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, सशस्त्र बलों के वरिष्ठ प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल अबोलफजल शेखरची ने कहा कि क्षेत्र में कहीं भी ऐसा कोई अड्डा जो इज़राइल की सहायता करता है, वह इस्लामिक गणराज्य और उसकी सशस्त्र सेनाओं का लक्ष्य होगा, और इस संबंध में कोई हिचकिचाहट नहीं बरती जाएगी।

संयुक्त अरब अमीरात की प्रतिक्रिया

संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि देश पर शुक्रवार को ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों से 'खुला हमला' किया गया। मंत्रालय के अनुसार, देश की वायु रक्षा प्रणाली ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया और कई मिसाइलों को सफलतापूर्वक अवरोधित किया। यह जानकारी खलीज टाइम्स की रिपोर्ट में दी गई।

रूस-लेबनान की खामनेई के समर्थन में दहाड़, भारत ने की संयम बरतने की अपील, ईरान हमले पर क्या बोली दुनिया?

इज़राइल और अमेरिका के ईरान पर हमले करने के बाद दुनिया के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिससे दुनिया भर में चिंता और गहरी फूट पड़ गई है। फ्रांस और यूरोपियन यूनियन जैसे देशों ने तुरंत तनाव कम करने और संयम बरतने की अपील की है, जबकि रूस ने इन हमलों की निंदा करते हुए इन्हें 'हथियारबंद हमला' बताया है। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने अमेरिका का समर्थन किया है, और पाकिस्तान और स्पेन जैसे देशों ने बड़े युद्ध को रोकने के लिए डिप्लोमेसी की अपील की है। ईरान ने 'निर्णायक' जवाब देने की कसम खाई है और वॉशिंगटन और तेल अवीव पर अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ने का आरोप लगाया है, क्योंकि बड़े क्षेत्रीय संघर्ष का डर बढ़ रहा है।

भारत ने कहा- सभी पक्ष संयम बरतें

भारत ने शनिवार को कहा कि वह ईरान पर अमेरिका (ळए) और इज़राइल के जॉइंट स्ट्राइक के बाद मिडिल ईस्ट में हाल के हालात को लेकर 'बहुत चिंतित' है, और सभी पक्षों के बीच हालात को सुलझाने के लिए 'बातचीत और डिप्लोमेसी' की अपील की है। एक बयान में विदेश मंत्रालय (ड्डैं) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आगे कहा कि इस इलाके में भारतीय मिशन वहां सभी भारतीय नागरिकों के साथ लगातार संपर्क में हैं, और उनसे सतर्क रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों को लोकल सिक्योरिटी गाइडेंस का पालन करना चाहिए और मिशन के संपर्क में रहना चाहिए। जायसवाल ने कहा कि हम सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव बढ़ने से बचने और आम लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह करते हैं। तनाव कम करने और अंदरूनी मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत और डिप्लोमेसी अपनाई जानी चाहिए। सभी देशों की सॉवरेनिटी और टेरिटोरियल इंटीग्रिटी का सम्मान किया जाना चाहिए।

रूस ने ईरान पर इजराइल-अमेरिका के हमलों की निंदा की

रूस के विदेश मंत्रालय ने ईरान पर अमेरिकी-इजराइल हमलों की निंदा करते हुए इसे ''संयुक्त राष्ट्र के एक संप्रभु एवं स्वतंत्र सदस्य देश के खिलाफ पूर्व नियोजित और अकारण की गई सशस्त्र आक्रामकता'' बताया तथा सैन्य अभियान को तत्काल रोकने और कूटनीति की ओर लौटने की मांग की। मंत्रालय ने टेलीग्राम पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि वाशिंगटन और तेल अवीवईरानी परमाणु कार्यक्रम के बारे में चिंताओं की आड़ में तेहरान में सत्ता परिवर्तन की कोशिश कर रहे हैं। रूस ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के सुरक्षा उपायों के तहत आने वाले परमाणु संयंत्रों पर बमबारी को अस्वीकार्य बताया और कहा कि वह शांतिपूर्ण समाधान में मध्यस्थता करने के लिए तैयार है। इसने तनाव बढ़ने के लिए पूरी तरह अमेरिका और इज़राइल को जिम्मेदार ठहराया।

पाकिस्तान ने बमलों को अनुचित बताया

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इसहाक डार ने इजराइल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए अनुचित हमलों की निंदा करते हुए संघर्ष को तत्काल समाप्त करने की मांग की। डार ने यह बात ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से फोन पर बात करते हुए कही, जिन्होंने अपने देश पर हमले के बाद पाकिस्तानी नेता को फोन किया था। विदेश कार्यालय के एक बयान के अनुसार, डार और अराघची ने ईरान और व्यापक क्षेत्र में विकसित हो रही स्थिति की समीक्षा की। इसमें कहा गया कि डार ने ईरान के खिलाफ अनुचित हमलों की कड़ी निंदा की और संकट के शांतिपूर्ण, वार्ता के माध्यम से समाधान के लिए कूटनीति को तत्काल फिर से शुरू करके तनाव को तुरंत रोकने का आह्वान किया।

ब्रिटेन ने की बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने की अपील

ब्रिटेन सरकार ने शनिवार को कहा कि उसने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों में भाग नहीं लिया और संघर्ष को व्यापक क्षेत्र में फैलने से रोकने के लिए बातचीत के माध्यम से समाधान निकाला जाना चाहिए। डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर क्षेत्र में ब्रिटेन की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने पर चर्चा करने के लिए आपातकालीन मंत्रिस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि तत्काल प्राथमिकता इस क्षेत्र में मौजूद ब्रिटेन के नागरिकों की सुरक्षा है, जिन्हें चौबीसों घंटे सातों दिन राजनयिक सहायता प्रदान की जाएगी।

हमलों के बाद मिनटों में खाली हुआ हवाई क्षेत्र, उड़ान निगरानी मंच ने दिखाया भयावह दृश्य

नई दिल्ली। अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान में संयुक्त सैन्य हमलों के बाद कुछ ही मिनटों में ईरानी हवाई क्षेत्र लगभग खाली हो गया। उड़ान निगरानी मंच फ्लाइटरडार24 के आंकड़ों से स्पष्ट हुआ कि किस प्रकार ईरान के ऊपर से वाणिज्यिक उड़ानों को तुरंत हटा लिया गया और बदलते हालात के अनुसार अन्य मार्गों पर मोड़ दिया गया।

उड़ान निगरानी मंच ने सामाजिक माध्यम पर एक दृश्य साझा किया, जिसमें दिखाया गया कि हमले के तुरंत बाद विमान तेजी से ईरानी हवाई क्षेत्र से बाहर निकल गए, जिससे देश का विशाल आकाश लगभग खाली दिखाई देने लगा।

ईरानी अधिकारियों ने तत्काल अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया, जिसके कारण वाणिज्यिक विमानों को क्षेत्र से बाहर वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़े।

दृश्य में यह भी दिखा कि पड़ोसी देशों के हवाई मार्गों में यातायात का रुख बदल गया, जबकि सैन्य कार्रवाई शुरू होते ही ईरान का अधिकांश आकाश खाली हो गया।

इन हमलों की गूंज पूरे ईरान में सुनाई दी। इज़राइली अधिकारियों ने इसे तेहरान से उत्पन्न खतरों को निष्प्रभावी करने के लिए किया गया पूर्व-नियोजित हमला बताया। रक्षा मंत्री इज़राइल कैट्ज़ ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य ईरान से उत्पन्न खतरों को समाप्त करना था और यह कार्रवाई अमेरिकी सेना के साथ समन्वय में की गई।

शनिवार को ईरान की राजधानी तेहरान में दूर-दूर तक विस्फोटों की आवाजें सुनाई दीं। कई क्षेत्रों, जिनमें प्रमुख सड़कें और सरकारी परिसर शामिल थे, में तेज धमाके हुए। शहर के ऊपर उठते घने धुएं के गुबार ने हमले के व्यापक पैमाने को दर्शाया। यह घटनाक्रम तेहरान, यरुशलम और वाशिंगटन के बीच पहले से बढ़े तनाव के बीच सामने आया।

पड़ोसी इज़राइल में नागरिक सुरक्षा उपाय तुरंत लागू कर दिए गए। अधिकारियों ने हवाई हमले के सायरन बजाए और आम नागरिकों से संभावित जवाबी कार्रवाई की आशंका के मद्देनज़र सुरक्षित स्थानों के निकट रहने का आग्रह किया। विश्लेषकों का कहना है कि बड़े पैमाने पर सैन्य टकराव की आशंका के कारण दोनों पक्षों के नागरिकों और बुनियादी ढांचे पर खतरा बना रह सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की कि अमेरिकी सेना ने ईरान पर हमले में इज़राइल का साथ दिया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य तेहरान को अपने परमाणु ढांचे को पुनः स्थापित करने से रोकना था।

क्या है 132 साल पुराना विवाद? क्यों पाकिस्तान को मिटाने पर तुला है तालिबान

काबुल। जब दो की लड़ाई होती है तो तीसरा फायदा उठाता है और दक्षिण एशिया में इस समय जो हालात बन रहे हैं उसे देखकर कई एक्सपर्ट यही कह रहे हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की यह टकराव सिर्फ दो देशों की लड़ाई नहीं बल्कि इसके पीछे बड़ी बड़ी वैश्विक राजनीति छिपी हो सकती है। हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए साफ कहा कि पाकिस्तान का सब्र अब खत्म हो चुका है और यह उनके शब्दों में खुली जंग है। उन्होंने आरोप लगाया कि तालिबान भारत का मोहरा बन चुका है। इस बयान ने पूरे क्षेत्र में बहस छेड़ दी है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन के करीबी माने जाने वाले विचारक एलेक्जेंडर डूगिन ने एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ती ये लड़ाई दरअसल एक बड़ी भू राजनीतिक रणनीति का हिस्सा हो सकती है। डूगिन का कहना है कि संघर्ष के पीछे अमेरिका की रणनीति हो सकती है। जिसका मकसद ब्रिक्स को कमजोर करना है। उनके अनुसार दुनिया में इस समय जो बहुध्रुव व्यवस्था बन रही है उसमें ब्रिक्स एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और इसी वजह से अमेरिका इस इस गठबंधन को कमजोर करने की कोशिश कर सकता है। डूगिन ने अपने बयान में यह भी कहा कि इस पूरे संघर्ष में अलग-अलग देशों के हित जुड़े हुए हो सकते हैं। उनके मुताबिक पाकिस्तान के पीछे चीन का समर्थन है और अफगानिस्तान के पीछे भारत का नाम लिया जा रहा है।

हालांकि भारत ने हमेशा यही कहा है कि वो किसी भी संघर्ष या युद्ध का समर्थन नहीं करता है और क्षेत्र में शांति चाहता है। अफगानिस्तान में लंबे समय से भारत ने विकास परियोजनाएं, सड़क, बांध और शिक्षा से जुड़े काम किए हैं। इसलिए कुछ एक्सपर्ट मान रहे हैं कि अफगानिस्तान की राजनीति में भारत का प्रभाव रहा है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि भारत किसी युद्ध का हिस्सा है। दूसरी तरफ पाकिस्तान और तालिबान के बीच तनाव कोई नया नहीं है। पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान को अपनी ही सीमाओं के अंदर कई आतंकी हमलों का सामना करना पड़ता है। कई रिपोर्ट में यह कहा गया है कि जिन संगठनों को कभी पाकिस्तान ने समर्थन दिया है वही आज उसके लिए चुनौती बन चुका है।

अब डूगिन ने अपने बयान में एक और दिलचस्प बात कही। उन्होंने इसे अमेरिका की अमेरिकी फर्स्ट नीति से जोड़ा और यह संकेत दिया कि अगर दक्षिण एशिया में बड़ा संघर्ष शुरू होता है तो इसका असर सीधे ब्रिक्स पर पड़ेगा क्योंकि इस संगठन में भारत और चीन दोनों ही प्रमुख सदस्य देश हैं। अगर किसी तरह भारत और चीन अलग-अलग उलझते हैं या क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ती है तो इससे ब्रिक्स का आर्थिक और रणनीतिक एजेंडा प्रभावित हो सकता है।

बड़े राजनीतिक खेल का हिस्सा

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अक्सर ऐसे बयान रणनीतिक संदेश देने के लिए भी दिए जाते हैं। इसलिए यह समझना जरूरी है कि हर बयान पूरी सच्चाई

नहीं होता है बल्कि कई बार यह बड़े राजनीतिक खेल का हिस्सा भी हो सकता है। खैर, अब सवाल यह है कि क्या यह सच में अमेरिका की रणनीति है? जैसा कि डुगिन कह रहे हैं या यह सिर्फ क्षेत्रीय राजनीति और पुराने विवादों का नतीजा है? इसका जवाब तो आने वाले दिनों में ही साफ होगा, लेकिन इतना तो तय है कि दक्षिण एशिया की यह स्थिति सिर्फ दो देशों की लड़ाई नहीं रह गई है। बल्कि इसमें बड़ी शक्तियों के हित, वैश्विक गठबंधन और आने वाले समय की राजनीति भी जुड़ सकती है।

हिज्जबुल्ला, हूती...सबके सब कूदे! लाल सागर से इजरायल तक पूरा इलाका घेर लिया

लेबनान और इधर यमन से भी इजराइल पर हमले शुरू हो गए हैं। ये जो हमले कर रहे हैं वो ईरान के प्रॉक्सी कहे जाने वाले या जिन्हें ईरान रेजिस्टेंस कहता है। इस्लामिक प्रतिरोध की धुरी जिसे कहा जाता है। ये बिल्कुल वैसे ही हो रहा है जैसे कि ईरान ने पहले साफ बताया था। हम पर हमला हुआ तो हम हर तरफ से मारेंगे। चारों तरफ से घेर कर मारेंगे और एकदम वैसे ही हो रहा है। पहले तो अरब देश निशाना बन रहे हैं और अब इजरायल को चौतरफा घेरने की कोशिश है। हूती यानी अंसार अल्लाह की तरफ से मिसाइलें चल रही हैं। लाल सागर पर बहुत तगड़े हमले हो रहे हैं। कोई भी जहाज ऐसा जो होगा अमेरिका या इजराइल का या उनके दोस्तों का वो वहां से अब गुजरने की स्थिति में नहीं है।

हिजबुल्ला की मिसाइल साउथ लेबनान से चलनी शुरू हो गई है क्योंकि वो बिल्कुल ईरान से इजराइल से लगा हुआ है। तो इजराइल को सबसे ज्यादा थ्रेट अगर करीब से है जो ईरानी प्रॉक्सी है या जो रेजिस्टेंस है वो है हिजबुल्ला और हिजबुल्ला मारना शुरू कर चुका है। हिजबुल्ला ने भी पहले कह दिया था कि हम अटैक करेंगे। कोई हमें रोक नहीं सकता। भले ही लेबनान की सरकार पीछा छुड़ा रही हो कि भाई हम नहीं है। लेकिन अब कोई फर्क नहीं पड़ता। जैसे ही आयतुल्लाह अली खामनेई का ट्वीट आता है कि भाई अब जंग शुरू हो चुकी है और फतेह के करीब है और हमें खुदा की मदद आनी शुरू हो गई है।

हिजबुल्ला एक्टिव हो गया है। हुती यानी अंसारुल्लाह एक्टिव हो गए और 40 से ज्यादा संगठन जो हैं रेजिस्टेंस के वो एक्टिव हो गए हैं। ये खबर आ रही है। बिल्कुल प्रेस टीवी की ये रिपोर्ट आप देख रहे हैं। यमन सेज विल रिज्यूम इट्स अ टैग्स अगेंस्ट टारगेट्स इन द रेड सी यानी लाल सागर में जिस बात का डर था कि अगर ये पूरा पूरा एक क्षेत्र जो है मिडिल ईस्ट का वो कहीं युद्ध में ना उलझ जाए और वही साफ हो रहा है। अमेरिका इजराइल ने साफ तौर पर इशारा कर दिया कि वो रिजीम चेंज के लिए सब कुछ कर रहे हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)